सुविचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।

" पं. मोतीलाल नेहरू "

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times | 7509202320 | @revanchal_times | revanchaljabalpur@gmail.com | revanchaltimes_

■ वर्ष 3 ■ अंक 70 ■ जबलपुर, शनिवार 07 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

इजरायल ने फिर शुरू किए हमले, हूती समूह ने किया ईरान को समर्थन का ऐलान

यरूशलम। इजरायली सेना ने तेहरान में ईरानी सरकार के बुनियादी ढांचों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। सेना ने शुक्रवार तडके यह घोषणा की। हमले की इस कार्रवाई से पहले इजरायली सैन्य प्रमुख इयाल जमीर ने कुछ घंटों पहले कहा था कि इजरायल ईरान में अपने हमलों के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस चरण में शासन की नींव और उसकी सैन्य क्षमताओं पर हमलों को और तेज किया जाएगा। श्री जमीर ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में कहा कि शनिवार को शुरू हुए अमरीका-इजरायल के संयुक्त अभियान के बाद से इजरायली युद्धक विमान लगभग 2,500 हमले कर चुके हैं और 6,000 से अधिक बम गिराए जा चुके हैं। इजरायली सैन्य प्रमुख ने कहा कि ईरान की लगभग 80 प्रतिशत हवाई रक्षा प्रणाली (एरियल डिफेंस सिस्टम) नष्ट कर दी गई है।

हूती समूह ने किया ईरान को समर्थन देने का ऐलान

यमन के हूती समूह के नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने कहा है कि वे ईरान के साथ खड़े हैं और जरूरत पड? पर कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हूती नियंत्रित अल-मसीरा टीवी चैनल पर प्रसारित एक टेलीविजन भाषण में श्री मलिक ने कहा कि अगर घटनाक्रम की मांग हुई, तो किसी भी क्षण हमारी उंगलियां ट्रिगर पर होंगी। उन्होंने इसे केवल किसी एक पक्ष के संघर्ष के बजाय पूरे देश की लड़ाई बताया है। हुती नेता ने कहा कि इजरायल और उसके तमाम साथियों का इरादा बिना किसी नियंत्रण, प्रतिबंध या प्रतिबद्धता के देश के स्वतंत्र लोगों के खिलाफ खुली जंग छेड ?ा है। श्री मलिक ने चेतावनी दी कि दुश्मन ठिकानों की एक सूची तैयार कर रहा है और कुछ अरब देशों से वित्तीय सहायता मांग रहा है तथा हथियारों का जखीरा जमा कर रहा है। उन्होंने अपने समर्थकों से शुक्रवार को एक साथ आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील समय में एक महत्वपूर्ण संदेश होगा और इसका उद्देश्य ईरानी जनता के प्रति यमनी लोगों के पूर्ण समर्थन की पुष्टि करना है।

अमरीका ने भारत पर हटाई पाबंदियां, 30 दिन तक रूस से तेल खरीदने में छूट

वाशिंगटन। अमरीका ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए कुछ समय के लिए पाबंदियों पर ढील दे दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अमरीका के वित्त मंत्रालय ने कुछ समय के

लिए पाबंदियों में ढील दी है, ताकि भारत समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीद सके। अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि 30 दिन की छूट से वैश्विक बाजार में तेल की आवाजाही बनी रहेगी, ईरान की वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने की कोशिश से पैदा हुए दबाव को कम किया जा सकेगा। श्री बेसेंट ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यह कदम एक जानबूझकर उठाया गया अल्पकालीन है, जिससे रूसी सरकार को कोई खास वित्तीय फायदा नहीं होगा, क्योंकि इसमें सिर्फ वही तेल शामिल है, जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी तेल पर पाबंदी लगा दी, जिससे खरीदारों को दूसरे विकल्प ढूंढने पड़े थे। भारत रूस ऊर्जा का एक बड़ा खरीददार है और अमरीका ने भारत पर दबाव डाला है कि वह हमले के लिए पैसे का बहाव कम करने की कोशिश में उसका (रूस) तेल खरीदना बंद कर दे।

रायसीना डायलॉग, ईरानी उप-विदेश मंत्री बोले

आखिरी गोली तक लड़ेंगे

ट्रम्प न्यूयॉर्क का मेयर नियुक्त नहीं कर सकते, हमारा लीडर क्या खाक तय करेंगे

नई दिल्ली। ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शामिल हुए।

दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास अमेरिकी-इजराइली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा। उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है। वे अपने देश में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ईरान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी से चर्चा के दौरान खतीबजादेह ने कहा- ईरान इस समय पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। जब हम बात कर रहे हैं, मेरे साथी नागरिकों पर अमेरिका-इजराइल का लगातार हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह हमलावर के खिलाफ पूरी तरह से विरोध करे।

कुर्द ईरान की पहचान का अहम हिस्सा : अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी औपनिवेशिक मिशन को रोकने के लिए तैयार है। अपने देश की राजनीतिक व्यवस्था बदलने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के कुर्द समुदाय को अलगाववाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। ईरान के कुर्द देश की पहचान का अहम हिस्सा हैं, जबकि कुछ अलगाववादी समूहों को बाहरी एजेंसियों का समर्थन मिला है।

लेबनान बॉर्डर तुरंत छोड़ दें इजरायली, हिज्बुल्लाह ने दी चेतावनी

बेरुत। हिज्बुल्लाह ने लेबनान की सीमा से लगे पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले इजरायल के नागरिकों को शहर छोडकर किसी दूसरे स्थान पर चले जाने के लिए कहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार हिज्बुल्लाह ने यह चेतावनी शुक्रवार सुबह हिब्रू में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश साझा करके दी। हिज्बुल्लाह ने कहा कि लेबनान की आजादी और सुरक्षित नागरिकों के खिलाफ आपकी सेना का हमला, नागरिक बुनियादी ढांचा को नुकसान पहुंचाना और लोगों से घरों को खाली करवाने का अभियान चलाने की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसे बिना चुनौती दिए नहीं छोड़ा जाएगा। उधर, इज?ायली सेना ने गुरुवार देर शाम लेबनान पर हमला शुरू किया और इसके बाद लोगों को बेरूत के दक्षिणी इलाकों से निकलने के लिए कहा गया, जो हिज्बुल्लाह का गढ़ है। इजरायली रक्षा बलों ने कहा था कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी आतंकी शासन की अवसंरचना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिए हैं।

चारधाम यात्रा 2026- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हो गया है। अब श्रद्धालु घर बैठे मोबाइल, कंप्यूटर, मोबाइल एप या वॉट्सएप के जरिए भी यात्रा के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रखा गया है।

बंगाल SIR- ममता बनर्जी कोलकाता में धरने पर बैठीं

कहा- चुनाव आयोग ने जिन वोटर को मृत बताया, मैं उन्हें सामने लाऊंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट-रक्फ़ प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर शुरू हुए इस विरोध के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि इखढ और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी। टीएमसी प्रमुख ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएंगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज कर दिया है। यह धरना दोपहर करीब 2:15 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन राज्य में चुनाव आयोग के पूरे दल के प्रस्तावित दौरे से दो दिन पहले हो रहा है। इसकी घोषणा पहले ळटउ के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की थी। 28 फरवरी को चुनाव आयोग ने पोस्ट-रक्फ़ के बाद संशोधित वोटर लिस्ट जारी की थी।

UPSC सिविल सर्विस 2025 फाइनल रिजल्ट जारी

राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री टॉपर, 958 कैंडिडेट्स क्वालिफाई

नई दिल्ली। UPSC ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है। 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए क्वालिफाई हुए हैं। पूरा रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर उपलब्ध है।

पहले भी 2 बाद UPSC क्लियर किया : अनुज पहले भी 2 बार वढरउ एग्जाम क्लियर कर चुके हैं। वढरउ 2023 में पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली में रव्ह के पद पर नियुक्ति मिली थी। अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर की 1,2 इकाई में काम करते हैं। मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्रीय स्कूल से पढ़ाई की है। 12वीं में उनके 94 प्रतिशत नंबर आए थे। अनुज को टेबल टेनिस खेलना पसंद हैं।

180 कैंडिडेट्स क्अर के लिए चयनित : जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडिडेट्स क्अर के लिए चयनित हुए हैं। कैटेगरी वाइज डिटेल्स इस तरह हैं।

वायु सेना का सुखोई विमान हादसे का शिकार, दोनों पायलटो की मौत

नई दिल्ली। वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई 30 को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमें सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायु सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार सुबह विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटो स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की मौत हो गई है। प्रवक्ता ने कहा कि वायु सेना दुख और संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और संवेदना व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना जोरहाट से 60 किलोमीटर दूर हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद से वायु सेना की ओर से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले वायु सेना ने गुरुवार देर रात बताया था कि एक सुखोई विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं पर आने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया था। प्रवक्ता ने कहा था कि एक सुखोई लड़ाकू विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं आने की सूचना मिली है। इस विमान ने असम के जोरहाट हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी और इससे गुरुवार शाम सात बजकर 42 मिनट पर अंतिम बार संपर्क हुआ था।

कर्नाटक: बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर बैन की तैयारी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को 2026-27 के राज्य बजट भाषण के दौरान इसका ऐलान किया। बजट डॉक्यूमेंट में कहा गया, बच्चों में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। हालांकि यह केवल नीति की घोषणा है। इसे लागू करने के लिए राज्य सरकार नियम बनाएगी, जिनमें उम्र की जांच और सोशल मीडिया कंपनियों के लिए नियमों का पालन करने की व्यवस्था तय की जाएगी। यह प्रस्ताव देश के डेटा सुरक्षा कानून डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 और पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025 से भी जुड़ा है। इस कानून के अनुसार किसी बच्चे के निजी डेटा का इस्तेमाल करने से पहले उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक की अनुमति लेना जरूरी है। साथ ही यह भी जांच करनी होगी कि अनुमति देने वाला व्यक्ति वयस्क है। इसके लिए सरकार की मान्यता प्राप्त पहचान प्रणाली या डिजिटल लॉकर जैसी सेवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस पर गरजे अमित शाह, बोलें

31 मार्च तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर देंगे

कटक। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि सुरक्षा बल 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। कटक में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए अमित शाह ने नक्सलवाद के उन्मूलन में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीआईएसएफ ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना, सीआईएसएफ ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने और अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह से पराजित करेंगे। अमित शाह ने देश के लिए सीआईएसएफ कर्मियों के "वीरता और आत्मबलिदान" की सराहना करते हुए उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों में, सीआईएसएफ ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया है, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को रूपांतरित भी किया है। वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। इन गुणों को समर्पण के साथ जोड़ते हुए और आधुनिक हथियारों से लैस होकर, सीआईएसएफ ने हर तरह की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाया है। मैं बल के सभी कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। शाह ओडिशा के कटक जिले के मुंडाली स्थित खारवेला क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने स्वागत किया, जब वे विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए राज्य पहुंचे थे।

इकबाल मिर्ची के 'अपराध लोक' पर ईडी का बड़ा प्रहार

मुम्बई-दुबई में 700 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त!

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के तहत एक विशेष पीएमएलए अदालत में याचिका दायर कर मुंबई और दुबई में दिवंगत ड्रग तस्कर इकबाल मेमन और उनके परिवार की लगभग 700 करोड़ रुपये की 15 संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त करने की मांग की है। याचिका में वर्ली स्थित संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें राबिया मेंशन, मरियम लॉज और सी व्यू प्रॉपर्टीज शामिल हैं, साथ ही दुबई में लगभग 15 संपत्तियां भी शामिल हैं, जिनमें बुर दुबई में होटल मिडवेस्ट अपार्टमेंट और बिजनेस बे और डीईसी टावर्स में एक दर्जन से अधिक वाणिज्यिक और आवासीय इकाइयां शामिल हैं। ईडी का आरोप है कि परिवार ने भारत में ट्रस्ट संस्थाओं और दुबई में कॉर्पोरेट होल्डिंग्स का उपयोग करके इन संपत्तियों के वास्तविक मालिकों के रूप में काम किया और दागी संपत्तियों को वैध संपत्ति के रूप में प्रदर्शित किया। ईडी ने अपनी याचिका में कहा फरार आरोपी ने भारत आने से इनकार कर दिया है और उसे पहले ही भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। इस मामले के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ हैं और जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, आर्थिक अपराध गंभीर हैं और इन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। प्रार्थना है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसकी संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया जाए। 2021 में अदालत ने मिर्ची की पत्नी हाजरा और बेटों आसिफ और जुनैद को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी होने के बावजूद भारत न लौटने पर एफईओ अधिनियम के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया था। इस अधिनियम के तहत, अदालत को संपत्ति जब्त करने का आदेश देने का अधिकार है। 1986 से शुरू हुए इतिहास का पता लगाते हुए, ईडी ने पाया कि मिर्ची ने मूल रूप से वर्ली के भूखंड सर मोहम्मद यूसुफ ट्रस्ट से एक साझेदारी फर्म के माध्यम से 6.5 लाख रुपये में हासिल किए थे। सरकारी कुर्की से बचने के लिए, कथित तौर पर 1991 में एक 'कार्यवाहक समझौता' तैयार किया गया था, जिससे ट्रस्ट को मालिक के रूप में दिखाया जा सके, जबकि मिर्ची का वास्तविक नियंत्रण बना रहा। वर्तमान में, लगभग 5,000 वर्ग मीटर के इन भूखंडों का मूल्य 497 करोड़ रुपये है। ईडी ने परिवार की उन संपत्तियों की ओर भी इशारा किया, जिनसे पैसा दुबई भेजा गया था। इनमें सबसे महंगी संपत्ति बुर दुबई स्थित होटल मिडवेस्ट अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत 9.3 करोड़ एईडी (लगभग 233 करोड़ रुपये) है। इसका स्वामित्व परिवार के सदस्यों के बीच बंटा हुआ है। जुनैद और आसिफ दोनों की 40% हिस्सेदारी है, जबकि हाजरा के पास शेष 20% हिस्सेदारी है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग | जॉब वर्क | न्यूज पेपर | पीडीएफ

संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340053112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देशों के बाद भी नियमों की उड़ रही धज्जियां, जांच की उठी मांग

पेट्रोल पंप संचालक दिखा रहे प्रशासन को ठेंगा बिना हेलमेट वालों को धड़ल्ले से मिल रहा पेट्रोल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा चलाई गई सख्त मुहिम को अब खुद पेट्रोल पंप संचालक ही ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं। बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को पेट्रोल न देने के स्पष्ट आदेश के बावजूद नगर सहित आसपास के कई पेट्रोल पंपों में खुलेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है और बिना हेलमेट बाइक चालकों को धड़ल्ले से पेट्रोल दिया जा रहा है। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों और गंभीर चोटों को रोकने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने हेलमेट को अनिवार्य करने के लिए सख्त कदम उठाए थे।

5 फरवरी 2026 को जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा की उपस्थिति में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में साफ चेतावनी दी गई थी कि बिना इकर मानक हेलमेट पहने दोपहिया चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा, अन्यथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 129 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पेट्रोल पंपों पर उच्च गुणवत्ता के उउळश कैमरे लगाने और नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश भी दिए गए थे। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पेट्रोल पंप को सील करने, भारी जुमार्ना लगाने और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक शाखा के पास संचालित शर्मा पेट्रोल पंप, खैरी स्थित गणेश पेट्रोल पंप तथा महाराजपुर पौड़ी क्षेत्र के पेट्रोल पंपों में खुलेआम बिना हेलमेट बाइक सवारों को पेट्रोल दिया जा रहा है। यह न सिर्फ नियमों की अनदेखी है बल्कि प्रशासनिक आदेशों की सीधी अवमानना भी मानी जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब प्रशासन स्वयं हेलमेट को लेकर सख्ती दिखा रहा है, तो पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा इस तरह की मनमानी गंभीर सवाल खड़े करती है। लोगों का आरोप है कि यहां कई तरह की अनियमितताओं की भी आशंका है – जैसे पेट्रोल की पूरी मात्रा दी जा रही है या नहीं, पेट्रोल की गुणवत्ता में कहीं मिलावट तो नहीं, उउळश व्यवस्था वास्तविक है या सिर्फ दिखावा, और कहीं पंप शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर तो संचालित नहीं हो रहा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि संचालन पूरी तरह नियमों के अनुसार हो रहा है या नहीं। साथ ही बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल देने के मामलों की भी जांच कर दोषी पाए जाने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जनता का कहना है कि हेलमेट सिर्फ एक नियम नहीं बल्कि जान बचाने की सुरक्षा कवच है। ऐसे में नियमों को ताक पर रखकर पेट्रोल देने वाले संचालक न केवल प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं बल्कि लोगों की जान के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती दिखाता है और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कब तक कार्रवाई होती है।

मंडला में 27 मवेशियों से भरा ट्रक जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

पुलिस ने क्रूरतापूर्वक भरे मवेशियों को पोकलेन मशीन से निकाला, केस दर्ज

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के मोहगांव थाना क्षेत्र में बायपास रोड पर फंसे एक ट्रक से पुलिस ने 27 मवेशियों को बरामद किया। उन्हें रस्सियों से बांधकर क्रूरतापूर्वक ट्रक में ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर वाहन और मवेशियों को जब्त कर लिया।

मुखबिर से मिली सूचना पर हुई कार्रवाई- पुलिस को शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि आईसर ट्रक (क्रमांक MP 07 GA 9127) बायपास रोड पर फंसा हुआ है। इसमें मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। थाना प्रभारी वेदराम हनोते के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की।

मवेशियों को सुरक्षित निकाला गया

पुलिस ने पाया कि मवेशियों को सींग और पैरों में बांधकर ट्रक में ठूंस-ठूंस कर रखा गया था। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पोकलेन मशीन का इस्तेमाल किया गया। घायल मवेशियों का इलाज पशु चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में कराया गया।

मामला दर्ज और आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 27 मवेशियों को बरामद किया, जिनकी कीमत लगभग 5.25 लाख रुपए बताई गई है। अवैध परिवहन में इस्तेमाल ट्रक (कीमत लगभग 22 लाख रुपए) भी जब्त किया गया। ट्रक चालक शेख रहीम (54) को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जल जीवन मिशन पर दाग लगा रही ठेका कंपनी, काम में लापरवाही से अटक रही योजना

हलोन समूह जल प्रदाय योजना में गड़बड़ियों के आरोप, पेटी ठेकेदारों का भुगतान अटका—सामग्री चोरी के भी उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, मंडला जिले में अब सवालों के घेरे में आती दिखाई दे रही है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की शाखा जल निगम मर्या. संस्था के माध्यम से संचालित हलोन समूह जल प्रदाय योजना के तहत गांव-गांव तक पानी पहुंचाने का काम दिया गया है, लेकिन कार्य की धीमी गति और कथित अनियमितताओं के कारण योजना का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। इस परियोजना का ठेका Kalpataru Projects International Limitedको दिया गया है। आरोप है कि कंपनी संतोषजनक ढंग से कार्य नहीं कर पा रही है, जिसके चलते शासन की यह महत्वपूर्ण योजना

प्रभावित हो रही है और ग्रामीणों को अब भी पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

गुमराह कर कम दरों पर दिए गए काम

जानकारी के अनुसार कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर भी कई तरह के आरोप सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि मंडला जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कंपनी ने कई स्थानीय ठेकेदारों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर काम दिलाने का भरोसा दिया और फिर उन्हें शासन के निर्धारित एस.ओ.आर. (Schedule of Rates) से काफी कम दरों पर काम दे दिया। कम दरों पर काम मिलने के कारण कई पेटी ठेकेदारों को भारी आर्थिक

नुकसान उठाना पड़ा। स्थिति ऐसी बनी कि कई ठेकेदारों ने काम बीच में ही छोड़ दिया।

भुगतान अटका, सामग्री चोरी के आरोप- स्थानीय ठेकेदारों का आरोप है कि जब उन्होंने काम बंद कर दिया तो कंपनी द्वारा उनका बकाया भुगतान किए बिना ही अन्य लोगों से काम शुरू करा दिया गया। इतना ही नहीं, पुराने ठेकेदारों द्वारा साइट पर रखी गई सामग्री भी कथित तौर पर गायब हो गई। आरोप है कि कंपनी के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से यह सामग्री चोरी कराई गई। यह भी आशंका जताई जा रही है कि विभाग से संबंधित पाइप और अन्य सामग्री की भी हेराफेरी हो सकती है। इस तरह के कई मामलों की शिकायत थाने तक पहुंच चुकी है और कुछ प्रकरण दर्ज भी हुए हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता ही दिखाई दे रही है।

योजना पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि समय रहते इस योजना की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली की जांच नहीं कराई गई तो सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना पर सवाल खड़े हो सकते हैं। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग और जिला प्रशासन इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए, ठेकेदारों के भुगतान और कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा करे तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि ग्रामीणों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का उद्देश्य समय पर पूरा हो सके।

मंडला में अवैध कॉलोनियों का फैलता मकड़जाल, प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला में इन दिनों अवैध कॉलोनियों का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। राजस्व की चोरी करते हुए और शासन के नियमों को दरकिनार कर डेवलपर्स कृषि भूमि, खेतों तथा पड़त और बर्रा जमीनों को समतल कर प्लॉट काटकर कॉलोनियां बसाने में लगे हुए हैं। जिले के कई हिस्सों में यह सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से अब तक गिनी-चुनी जगहों पर ही कार्रवाई किए जाने से सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारों के अनुसार कॉलोनाइजर शासन के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) नियमों, जोनिंग नियमों, भवन निर्माण नियमों, पर्यावरणीय मानकों और अग्निशमन सुरक्षा नियमों का खुलकर उल्लंघन कर रहे हैं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कॉलोनाइजर बड़े-बड़े दावे करते हैं कि कॉलोनी पूरी तरह वैध है और सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, लेकिन हकीकत में अधिकांश मामलों में जरूरी दस्तावेज भी पूरे नहीं होते। नियमों के अनुसार किसी भी कॉलोनी के विकास के लिए जमीन के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री, खसरा और खतौनी, साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अग्निशमन विभाग सहित अन्य विभागों से एनओसी, टीएंडसीपी की स्वीकृति, जल और विद्युत आपूर्ति की अनुमति, ड्रेनेज व सीवरेज व्यवस्था की स्वीकृति, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आकलन जैसे दस्तावेज अनिवार्य होते हैं। लेकिन जिले में विकसित हो रही कई कॉलोनियों में इन जरूरी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंडला जैसे आदिवासी बहुल जिले में जमीन और संसाधनों की सुरक्षा को लेकर नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए, लेकिन स्थिति इसके उलट दिखाई दे रही है। कई मामलों में विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका भी जताई जा रही है, जहां मोटी रकम लेकर अवैध कॉलोनियों के इस खेल को नजरअंदाज किया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन जिले भर में बारीकी से जांच कराए तो बड़ी संख्या में अवैध कॉलोनियों का खुलासा हो सकता है। फिलहाल केवल एक-दो मामलों में कार्रवाई होने से यह सवाल उठ रहा है कि आखिर बाकी कॉलोनियों की जांच क्यों नहीं कराई जा रही। स्थानीय लोगों ने आम नागरिकों को भी सतर्क रहने की सलाह दी है कि किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले उसकी वैधता और दस्तावेजों की पूरी जांच कर लें, क्योंकि भविष्य में यदि प्रशासनिक कार्रवाई होती है तो निवेश डूबने का खतरा भी बना रहता है। जनता की मांग है कि जिला प्रशासन जिले भर में संचालित सभी कॉलोनियों की समग्र जांच कराए और नियमों का उल्लंघन करने वाले कॉलोनाइजरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, ताकि कृषि भूमि की सुरक्षा हो सके और आम लोगों की गाढ़ी कमाई भी सुरक्षित रह सके।

भारत मुक्ति मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने उठाई शिक्षकों की बहाली की मांग

ओबीसी जनगणना और यूजीसी बिल लागू कराने की मांग, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रेवांचल टाइम्स मण्डला। भारत मुक्ति मोर्चा एवं ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने शुक्रवार 6 मार्च को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर देश में ओबीसी वर्ग की जनगणना कराने, यूजीसी बिल लागू करने तथा शिक्षकों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगों को उठाया। इस दौरान संगठन के संयोजक राम सिंह पंद्रो और दशरथ धुर्वे सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि देश में सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा सामने आना आवश्यक है। इसके लिए केंद्र सरकार को जल्द से जल्द ओबीसी की अलग से जनगणना करानी चाहिए, ताकि सरकारी योजनाओं और आरक्षण की नीतियों को सही तरीके से लागू किया जा सके। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में ओबीसी की सटीक जनसंख्या का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण इस वर्ग को उसके अधिकारों और सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। भारत मुक्ति मोर्चा और ओबीसी मोर्चा ने ज्ञापन में विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े बिल को जल्द लागू करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शिक्षकों की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए यूजीसी से संबंधित प्रस्तावित प्रावधानों को जल्द लागू किया जाना चाहिए। इससे शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और स्थिरता आएगी तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को लाभ मिलेगा। संगठन ने शिक्षकों के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में मांग की गई है कि वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी (टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) की अनिवार्यता समाप्त की

जाए। पदाधिकारियों का कहना है कि उस समय नियुक्ति प्रक्रिया अलग नियमों के तहत हुई थी, इसलिए बाद में लागू किए गए नियमों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना न्यायसंगत नहीं है। इस निर्णय से अनेक शिक्षकों के भविष्य पर संकट पैदा हो गया है, जिसे तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए। संयोजक राम सिंह पंद्रो और दशरथ धुर्वे ने संयुक्त रूप से बताया कि यह आंदोलन का पहला चरण है। उन्होंने कहा कि संगठन लंबे समय से ओबीसी समाज के अधिकारों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहा है।

यदि सरकार तय समय में इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दूसरे चरण में 13 मार्च को धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद तीसरे चरण में 23 मार्च को रैली और प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं और समाज के लोगों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। वहीं चौथे और अंतिम चरण में 23 अप्रैल को भारत बंद का आवाहन किया गया है। संगठन के नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन केवल किसी एक वर्ग का नहीं बल्कि देश के मूलनिवासी समाज के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की। उनके अनुसार सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कार्यकताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा और उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही इन मुद्दों पर विचार कर उचित निर्णय लेगी। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों को नजरअंदाज किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मिड डे मील का राशन फिर नहीं पहुंचा उचित मूल्य दुकानों में सांझा चूल्हा योजना भी प्रभावित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्य प्रदेश मंडला जिले में शासन प्रशासन की कार्यशैली लापरवाही पूर्वक चल रही है काफी लंबे समय से चर्चा में सुनने को मिल रहा है कि शासकीय उचित दुकानों में सरकारी स्कूलों के लिए मध्यान भोजन का चावल और आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित सांझा चूल्हा, कार्यक्रम की राशन सामग्री फरवरी माह में नहीं पहुंचाई गई है कब से कब तक की राशन सामग्री दी जा रही है यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है प्रतिमाह राशन सामग्री देने में लापरवाही बरती जा रही है इसी तरह राशि देने में भी लापरवाही बरती जा रही है जिससे समूह परेशान है जन अपेक्षा है इस संबंध में जांच पड़ताल कराई जाए कि आखिरकार लापरवाही क्यों की जा रही है दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है।

बद से बदतर अस्पताल, घायल मरीज को नही मिली बेड, जंग लगे स्ट्रेचर पर दी जा रही है ऑक्सीजन

नर्क' जैसी व्यवस्था जानवरों से बदतर है इंसानों की कीमत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। स्वास्थ्य विभाग की 'हाईटेक' स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलती एक तस्वीर इन दिनों अनूपपुर जिले के राजेंद्र ग्राम से सामने आई है, जो सूबे के मुखिया और स्वास्थ्य मंत्री के दावों को सरेआम झुठलाकर खोखला साबित कर रही है। अनूपपुर सीएमएचओ की नाक के नीचे चल रहे इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को इलाज के नाम पर जो 'नरक' दिया जा रहा है, उसे देखकर किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह कांप जाए।

तस्वीर में साफ दिख रहा है कि एक घायल व्यक्ति, जिसकी जान हलक में अटकी है, उसे अस्पताल के किसी साफ-सुथरे बेड पर होना चाहिए था। लेकिन अनूपपुर स्वास्थ्य विभाग की 'महान' व्यवस्था ने उसे एक पुराने, जंग लगे और गंदगी से पटे स्ट्रेचर पर लिटाकर ऑक्सीजन लगा दी है।

जंग लगा स्ट्रेचरः जिस लोहे पर मरीज लेटा है, वह संक्रमण का सबसे बड़ा केंद्र है। क्या सीएमएचओ साहब बताएंगे कि मरीज को बचाने का प्रयास हो रहा है या उसे मौत के मुंह मे धकेला जा रहा है। दीवारों पर जमी कालिख, लटकते तार और बिना चादर का वह ठिठुरता लोहे का स्ट्रेचर–क्या यही है, मध्यप्रदेश सरकार व स्वास्थ्य विभाग का सुशासन। जो बजट आया कहाँ गया, अस्पताल के रखरखाव और बेड के नाम पर आने वाला सरकारी पैसा किस अधिकारी की तिजोरी की शोभा बढ़ा रहा है। इमरजेंसी बेड का बोर्ड मजाक क्यों उड़ाया जा रहा है, जब मरीज के सिरहाने 'Emergency Bed' का बोर्ड लगा है, तो उसे बेड क्यों नहीं मिला, क्या बेड रसूखदारों, वीआईपी के लिए रिजर्व रखे गए हैं। नो वीडियो का बोर्ड किसके लिए लगाया गया हैं, अस्पताल की दीवारों पर 'मोबाइल मना है' का बोर्ड इसलिए लगाया गया है ताकि जनता आपकी इस 'बदहाली' को दुनिया को न दिखा सके। जिले के राजेंद्र ग्राम की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रही है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या अनूपपुर जिले के गरीब आदिवासियों और आम नागरिकों की जान इतनी सस्ती है? एक्सीडेंट के बाद दर्द से कराहते मरीज को एक साफ बेड तक न दे पाना जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की घोर विफलता है।

इनका कहना है।

मरीज को रेफर करते समय स्ट्रैचर पर रखकर ही एम्बुलेंस तक पहुँचाया जाता है, इसमे गलत क्या है, उसी समय किसी ने फोटो ले ली है।

डॉ. आर के बर्मा बीएमओ पुष्पराजगढ़

कोयलांचल की माटी का 'कोहिनूर' बिजुरी की बेटी और बहू पूजा सोनी बनीं 'मिस इंडिया'

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। अक्सर कहा जाता है कि छोटे शहरों के सपनों की एक सीमा होती है, लेकिन अनूपपुर जिले की कोयलांचल नगरी बिजुरी की एक बहू ने इस धारणा को पैरों तले रौंद दिया है। नगर पालिका बिजुरी के वार्ड क्रमांक 07 की लाड़ली और इसी नगर की पुत्रवधू पूजा सोनी ने 'मिस इंडिया' का प्रतिष्ठित ताज पहनकर इतिहास रच दिया है। यह जीत केवल एक मुकुट की नहीं, बल्कि उस अटूट हौसले की है जो चूल्हे-चौके की जिम्मेदारी और दो बच्चों के पालन-पोषण के बीच भी डिगा नहीं। दो घरों का मान बिजुरी की ही बेटी, बिजुरी की ही बहू पूजा सोनी की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उनका मायका और ससुराल दोनों बिजुरी में ही है। पिता राम शिरोमणि सोनी एवं माता मालती सोनी की बेटी ने जहाँ संस्कारों की नींव पाई। वहीं पति संतोष कुमार सोनी के अटूट विश्वास ने उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने का हौसला दिया। अपने दो बच्चों (चाहत और किशन) की परवरिश के साथ-साथ महर्षि मार्तण्ड विश्वविद्यालय (कोतमा) से मास्टर ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने वाली पूजा आज हर उस महिला के लिए प्रेरणा हैं जो शादी के बाद अपने सपनों को अधूरा छोड़ देती हैं। उपलब्धियों का 'गोल्डन रन': 2025 से 2026 तक का सफर, पूजा सोनी की यह यात्रा किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। वर्ष 2025: समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के लिए 'नारी शक्ति अवार्ड' से नवाजा गया। वर्ष 2026: अपनी बौद्धिक क्षमता और पेशेवर सौंदर्य (Professional Beauty) के दम पर 'जूरी अवार्ड्स' जीता। मिस इंडिया 2026: राष्ट्रीय स्तर पर 'मिस इंडिया' का खिताब जीतकर विंध्य क्षेत्र का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया। इस सफलता के पीछे वार्ड 07 की सजग पार्षद विमला पटेल का बड़ा योगदान रहा। एक जनप्रतिनिधि से इतर उन्होंने एक संरक्षक (Mentor) की भूमिका निभाते हुए पूजा की प्रतिभा को निखारा। पार्षद पटेल का कहना है– "पूजा की जीत ने साबित कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो हमारे कस्बे की बेटियाँ दुनिया को अपना कायल बना सकती हैं।

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को मारी टक्कर, युवक की हुई मौत, गुस्साये परिजनों ने लगाया जाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जिसके बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने जयसिंहनगरझअमझोर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक शव सड़क पर ही रखा रहा और परिजन ट्रक मालिक को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के अमझोर मार्ग स्थित रामसोहरा तिराहे के पास हुआ। मृतक की पहचान श्रवण साहू (30) निवासी गांधिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि श्रवण साहू अपनी बाइक से जयसिंहनगर बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे बोर लदे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को देख आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक का पीछा कर कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने ट्रक को जप्त कर थाने में खड़ा करा दिया है, वहीं चालक को भी हिरासत में ले लिया गया है। इधर घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से गुस्साए लोगों ने जयसिंहनगर अमझोर मार्ग पर चक्का जाम लगा दिया, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। परिजनों का कहना है कि जब तक ट्रक मालिक को मौके पर नहीं बुलाया जाएगा और उचित कार्रवाई का आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक वे जाम नहीं हटाएंगे। घटना स्थल पर करीब एक घंटे तक शव सड़क पर ही रखा रहा। स्थिति को संभालने के लिए थाना प्रभारी और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों को समझाया गया।

होली उत्सव, उपहार और मिठाई पाकर गरीब बच्चों और परिजनों के खिल उठे चेहरे

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। होली के पावन पर्व पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले मुख्यालय से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्रों की बस्तियों में पहुंचकर 80 नन्हे नन्हे बच्चों को खुशियों के रंग बांटने और हर उदास चेहरे पर मुस्कान लाने के कार्य के उद्देश्य उपस्थित सभी बच्चों को पिचकारी ,रंग गुलाल ,मिठाइयां, बिस्किट, फल,मुखौटा आदि उपहार में दिया गया। इस आयोजन से बच्चों के बीच हर्षोल्लास का माहौल बना रहा, और उन्होंने पूरे जोश के साथ त्योहार का आनंद लियाउद्देश्य समाज के हर वर्ग के बच्चों तक शिक्षा और खुशियां पहुंचाना है। कार्यक्रम में ग्रामीण बच्चों के बीच खुशी का लहर देखने को मिला। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि बस्ती इलाके 80 से अधिक गरीब परिवार के बच्चों को फल, बिसकिट्स, टॉफी, रंग गुलाल एवं पिचकारी का वितरण उपहार स्वरूप करते हुए उनके साथ होली का त्यौहार होली का उत्सव बड़े ही धूमधाम व उत्साह पूर्वक मनाया गया। मिठाई, रंग गुलाल एवं पिचकारी मिलने पर बच्चों के चेहरे पर खुशियां उमड़ पड़ी, मानो उनके खुशियों का कही ठिकाना ही नही रहाहम त्यौहार तो धूमधाम से मनाते हैं लेकिन दूसरों की खुशियों का ख्याल नहीं रखते। हम सभी को एक होकर समाज में आगे आना चाहिए और जरूरतमंदों के साथ और इन बच्चों के साथ त्योहार मना कर खुशियां बॉटनी चाहिएह्व युवा टीम उमरिया पिछले 6 साल से नगर वासियों के सहयोग से सभी त्योहार झुग्गी झोपड़ी एवं जरूरतमंद और बुजुर्गों के साथ ही मनाती आ रही है। इस दौरान हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह, महक सोनी, खुशबू बर्मन,साक्षी रैदास,एवं सभी उपस्थित रहे।

ग्रामीण स्वच्छता को सशक्त बनाने वॉश ऑन व्हील सुविधा का उठाए लाभ –सीईओ जिपं

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। स्वच्छता से रोजगार की नई पहल, स्वच्छता साथी वॉश ऑन व्हीलह्व सेवा मांग एवं पूर्ति के सिद्धांत पर आधारित एक ऑनलाइन व्यवस्था है जिसमें मोबाइल एप के माध्यम से आम नागरिक घर के मुखिया अथवा संस्था प्रमुख शौचालय की साफ-सफाई हेतु स्वच्छता साथी को मांग (रिक्वेस्ट) भेज सकते हैं। रिक्वेस्ट प्राप्त होते ही निर्धारित समय पर स्वच्छता सेवा उपलब्ध कराई जाएगी । स्मार्ट क्लीनिंग लेकर आई वाश ऑन व्हील सेवा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की नियमित साफ.सफाई एक बड़ी चुनौती रही है जिसमें प्रशिक्षित सफाई कर्मियों की सीमित उपलब्धता प्रमुख कारण रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देशानुसार 04 ब्लाको से संबद्ध 25 क्लस्टर निर्माण करते हुए ग्रामों को जोड़ा जा चुका है जिसमे ऑनबोर्ड 36 स्वच्छता साथियों में से 25 स्वच्छता साथियों को प्रशिक्षित करते हुए 25 सेक्टेरों में स्वच्छता साथियों को एलोकेट कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक अनूपपुर जिले में 1812 मागें प्राप्त हुई हैं जिनमे से 1418 सेवा पूर्ण की गई है। स्वच्छता साथियों द्वारा स्लाट की तिथि के अनुसार सेवा प्रदान की जा रही है । वॉस ऑन व्हील सेवा की मांग व पूर्ति की दैनिक रिपोटिंग एसबीएम के जिला समन्वयक द्वारा की जाती है जिसकी जनपदवार समीक्षा सीइओ जिला पंचायत द्वारा की जा रही है। वहीं ब्लॉक समन्वयको द्वारा स्वच्छता साथियों को तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए ग्रामीण अंचल से सम्बद्ध संस्थानों, वाहन शो रूम, वर्कशाप, पेट्रोल पंप, ढाबा, रिसोर्ट, मैरिज गार्डेन इत्यादि में जाकर वाश ऑन व्हील को प्रमोट किया जा रहा है। अब तक जिले के स्वच्छता साथियों द्वारा 2 लाख 23 हजार 347 रूपए की आय अर्जित कर चुके हैं। वाश ऑन व्हील सेवा ग्रामीण अंचलों में घरेलू संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई हेतु एक स्मार्ट आधुनिक एवं मांग आधारित समाधान प्रदान करेगी। मोबाइल एप से बुकिंग प्रक्रिया की जानकारी देते हुए जिला समन्वयक डा रामनरेश वर्मा ने मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन मांग दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवाएं प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड मोबाइल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा।

Toilet Cleaing services

हाथी देखने गए युवक को हाथी ने दौड़ाया गिरने से हुआ घायल, अस्पताल में भर्ती

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के कोतमा तहसील, वन परिक्षेत्र के चुकान गांव के जंगल में गांव की कुछ लोगों के साथ एक युवक हाथी देखने गया जो वीडियो बना रहा था, इसी दौरान हाथी के चिघाडं कर दौड़ाने से दौड़ने दौरान गिरने से घायल होने पर युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है, वही वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथी के विचरण पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क रहने की अपील की अपील की है। बीट चुकान अंतर्गत वन कक्ष क्रमांक पीएफ 471 में एक जंगली हाथी के विचरण की सूचना ग्रामीणों को प्राप्त हुई। इस दौरान ग्राम चुकान बाकी बांध के पास सायं जंगली हाथी द्वारा आसपास उपस्थित ग्रामीणों को दौड़ाया गया। इस दौरान ग्राम चुकान निवासी दारा सिंह पिता राम सिंह पोर्ते उम्र 21 वर्ष वार्ड नंबर 13 ग्राम चुकान ग्राम पंचायत चुकान थाना भालूमाड़ा तहसील कोतमा निवासी हाथी के द्वारा दौड़ाये जाने पर घायल हो गया, दारा सिंह के पैर हाथ चेहरे चोट आई है। जिन्हें उपचार हेतु तत्काल मौके से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लाकर भर्ती कराया गया, जिनका उपचार चल रहा है। डॉक्टरों द्वारा वर्तमान में उनकी स्थिति स्वस्थ बताई गई। दारा सिंह पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में प्रथम वर्ष के छात्र हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में परिक्षेत्र सहायक लतार अभिलाष सोनी एवं बीटगार्ड लतार अवध नरेश शुक्ला मौके पर पहुंचे घायल व्यक्ति को देखें तथा तात्कालिक सहायता राशि प्रदान किया गया घायल व्यक्ति का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में जारी है।

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला की तैयारियां जोरों पर, रागी, ज्वार, तिल और महुआ के बिस्कुट की रहेंगी धूम

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। त्रिदिवसीय कृषि विज्ञान सह मिलेट मिशन मेला का आयोजन उमरिया जिले के कृषि उपज प्रांगण में 09 मार्च से 11 मार्च तक आयोजित किया जाना है। जिसकी तैयारी के लिए आज खंड कृषि कार्यालय पाली में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जैविक और प्राकृतिक खेती के बने 10 कलस्टरो की कृषि सखिया के साथ खंड कृषि अधिकारी क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी और आत्मा परियोजना के कर्मचारियों की उपस्थिति में संपंन हुई। इस बैठक में पाली विकास खंड के गाँव गाँव से जैविक उत्पादक करने वाले कृषकों के उत्पादों एवं उत्पादकों को बाजार सुलभ कराने के लिए जिले में मेला आयोजित किया जा रहा है, जिससे उत्पादकों को बाजार में उचित मूल्य मिल सकें।कृषि विभाग के कृषि विभाग के एस ए डी ओ सूरज सिंह आर्मो, आत्मा से दीपक पटेल,कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री शांति सिंह शाहपुर क्षेत्र, शिवकली सिंह अमिलिहा,बकेली से संगम गुर्जर एवं चौरी क्षेत्र से राज कुमार आर्य एवं सभी कलस्टरो की कृषि सखिया उपस्थिति रही। खुशी की बात यह है की इस बैठक में जैविक खेती में महिलाओं की भागीदारी बहुतायत संख्या में देखने को मिली। मालूम होवे की कृषि विज्ञान मेले में रागी , ज्वार अलसी,तिल, महुआ, का बिस्कुट व लड्डू की धूम रहेगी, वही पर कोदो, कुटकी, तुअर, मसूर की दाल भी उबाल भरेंगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय मौसमी और प्राकृतिक सब्जियों को मेले में लाने की तैयारियां की जा रही है।

कोतमा स्टेशन पर निजामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू, क्षेत्र में खुशी की लहर

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के अंतर्गत कोतमा नगर और क्षेत्रीय निवासियों की वर्षों पुरानी मुराद आखिरकार पूरी हो गई है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेल मंत्रालय ने अंबिकापुर से निजामुद्दीन एवं वापसी में निजामुद्दीन से अंबिकापुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज कोतमा रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित कर दिया है। बुधवार को पहली बार ट्रेन के यहाँ रुकने पर स्टेशन का नजारा उत्सव जैसा रहा, जहाँ नगरवासियों ने उत्साह के साथ इस नई शुरूआत का स्वागत किया। क्षेत्रीय रेल सुविधाओं के विस्तार और यात्रियों की समस्याओं को देखते हुए सांसद हिमाद्री सिंह निरंतर प्रयासरत थीं। उनकी विशेष मांग और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कोतमा में इस प्रमुख ट्रेन के स्टॉपेज की आधिकारिक घोषणा की थी। रेल प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 एवं 5 मार्च से इसकी समय सारणी भी घोषित कर दी थी, जिससे स्थानीय जनता में लंबे समय से बना संशय समाप्त हो गया। नगर वासियों को यह बड़ी सौगात मिली है। बुधवार को पहले दिन जब निजामुद्दीन से चलकर अंबिकापुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन ने कोतमा में 2 मिनट का स्टॉपेज लिया, तो बड़ी संख्या में यात्री यहाँ उतरे और चढ़े। स्टेशन पर मौजूद स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर किया। इस सुविधा से अब कोतमा के व्यापारियों, छात्रों और आम नागरिकों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अनूपपुर या शहडोल जैसे दूरस्थ स्टेशनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सीधे दिल्ली के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध होने से क्षेत्र के आर्थिक विकास और आवागमन को नई गति मिलेगी।

ईरान भारत का मित्र, समय पर खरा उतरने वाला साझेदार, मगर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी चिंताजनक

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश के सहायक सचिव और विश्वशांति एवं एकजुटता संगठन(एप्सो) के महासचिव कामरेड विजेंद्र सोनी एडवोकेट अनूपपुर ने बयान जारी कर बताया कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड डी राजा का ईरान के ताजा घटनाक्रम पर बयान जारी कर इस बात को मजबूत किया है कि भारत की विदेश नीति जो पहले थी उसे पर मौजूदा सरकार नहीं चल रही है। उन्होंने अपने बयान में कहा है कि अमेरिका-इजराइल गठजोड़ अपने सबसे नग्न रूप में बुराई और दुष्टता का प्रतिनिधित्व करता है।ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की प्रत्यक्ष सैन्य बल द्वारा हत्या एक गंभीर और खतरनाक निंदनीय घटनाहै। हम वामपंथी हमेशा से खामेनेई शासन की महिलाओं के अधिकारों, लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और नागरिक स्वतंत्रताओं पर आलोचना करते आए हैं। लेकिन राजनीतिक असहमति कभी भी साम्राज्यवादी कसाइयों के हाथों किसी राज्य के संप्रभु प्रमुख की लक्षित हत्या को उचित या सामान्य नहीं ठहरा सकती। यदि ऐसे कृत्यों को स्वीकार कर लिया जाए, तो अंतरराष्ट्रीय कानून अर्थहीन हो जाएगा और संप्रभुता सशर्त हो जाएगी।। सात दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में संघर्ष का प्रमुख स्रोत रहा है। वियतनाम की तबाही, ग्वाटेमाला और चिली में तख्तापलट, निकारागुआ में कोंट्रा युद्ध, और पनामा पर आक्रमण, वेनेज्वला में राष्ट्रध्यक्ष का अपहरण से लेकर अफगानिस्तान, इराक, लीबिया के विनाश और सीरिया में लंबे हस्तक्षेप तक। भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी चिंताजनक है। ईरान एक मित्रवत, समय पर खरा उतरा साझेदार रहा है, जो कश्मीर पर सहायक रहा है और ओआईसी में संतुलित भूमिका निभाता रहा है। चाबहार बंदरगाह में भारत का रणनीतिक निवेश, जो पाकिस्तान को दरकिनार करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच के लिए महत्वपूर्ण है, ईरान की अस्थिरता से सीधे खतरे में पड़ गया है।

संपादकीय

युद्ध में फंसे ट्रंप

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान अमरीका पर हमला करने वाला था, लिहाजा हमने ही आक्रमण कर उसे कुचल दिया। ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट कर दी गई हैं। दूसरी तरफ अमरीकी युद्ध विभाग ह्यपेंटागनह्ल ने वहां की संसदीय समिति को ब्रीफ किया है कि उसे ऐसी खुफिया लीड की जानकारी नहीं है कि ईरान की अमरीका पर हमले की कोई योजना थी। दरअसल यह कोई सामान्य विरोधाभास नहीं है। एक पक्ष सफेद झूठ बोल रहा है और ट्रंप झूठ बोलने के आदी हैं। यह ह्यटाइमह्ल पत्रिका की कवर स्टोरी से भी स्पष्ट है। बहरहाल अब अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने तो यहां तक खुलासा किया है कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या कराना चाहता था, लेकिन हमने ही उनके क्रूर, तानाशाह नेता खामेनेई को मार दिया। रक्षा मंत्री का यह भी दावा है कि एक सप्ताह में ईरान के आसमान पर अमरीका का कब्जा होगा। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों और विख्यात राजनयिकों के आकलन हैं कि ऐसा नहीं होगा। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध में, इजरायल के उकसावे में आकर, फंस गए हैं। अब वह चाह कर भी युद्ध से अलग नहीं हो सकते। इसकी बुनियादी दलील यह है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बावजूद ईरान अब भी जम कर लड़ रहा है। वह खामेनेई की हत्या का बदला लेने पर आमादा है। ईरान में फिलहाल कोई विद्रोह नहीं है। अलबत्ता अमरीका और इजरायल को सबक सिखाने के ह्यहुंकारी आग्रहह्ल जरूर गूंज रहे हैं। बेशक ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1145 तक पहुंच चुका है। यह भयावह और खौफनाक आंकड़ा है, जो लगातार बढ़ रहा है। ईरान के शीर्ष 48 नेता और सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। उसके 24 प्रांतों पर 1200 से अधिक मिसाइल हमले किए गए हैं। ईरान के 153 शहरों की 504 जगहों पर बमबारी की गई है। उसके कमोबेश 20 युद्धपोत और 14 लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं। ईरान के चारों ओर खंडहरी इमारतें, मिट्टी-मलबा देखे जा सकते हैं, लेकिन ईरान की मिसाइलों और ड्रोनों ने अरब देशों के 27 अमरीकी बेस पर तबाही मचा रखी है। आग के गोले और धुएं के गहरे-काले गुब्बार दुनिया के सामने हैं। इजरायल में येरुशलम और राजधानी तेल अवीव जैसे शहरों में पचासियों इमारतें ध्वस्त कर दी गई हैं। रिहायशी इलाकों पर भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। चीख-पुकार सुनी जा सकती हैं। सऊदी अरब की दुनिया की सबसे बड़ी ह्यअरामकोह्ल रिफाइनरी पर दो बार हमले कर ईरान ने उसे पंगु बना दिया है। यहां 30 लाख बैरल तेल हर रोज रिफाइन किया जाता रहा है, लेकिन अब उत्पादन बंद करना पड़ा है। ईरान ने साइप्रस और तुर्किए में भी मिसाइल-ड्रोन हमले किए हैं। ईरान की हजारों बैलेस्टिक, क्रूज मिसाइलें अब भी बंकरों के नीचे मौजूद हैं। अब भी 6-7 यूनिट्स उत्पादन कर रही हैं। ईरान 20 फीसदी सर्वर्द्धित यूरेनियम से ही परमाणु बम बना सकता है, जबकि उसके पास करीब 469 किग्रा सर्वर्द्धित यूरेनियम है। बेशक वह 10-12 परमाणु बम बनाने की स्थिति में है। रूसी विदेश मंत्री के बयान से भी संकेत मिले हैं कि ईरान को परमाणु बम बनाने को बाध्य किया जा रहा है। एक आकलन सामने आया है कि अमरीका पर इस युद्ध से 19 लाख करोड़ रुपए तक का बोझ पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। 100 डॉलर तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी, नतीजतन 50-210 अरब डॉलर की चोट लग सकती है। हालांकि तेल 147 डॉलर तक पहुंचने में देर लगेगी। जब ईरान ने जुलाई, 2008 में ह्यशाहाब-3ह्ल मिसाइल का परीक्षण किया था, जिसकी रेंज 2000 किमी बताई गई थी, तब तेल 147 डॉलर तक उछला था। बहरहाल भारत को बेचैन नहीं होना चाहिए, क्योंकि हम 41 देशों से तेल आयात करते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के अलावा भी कई रास्ते हैं, जिनके जरिए भारत तेल मंगवा सकता है।

ईरान की ऐतिहासिक उथल-पुथल

1979 तक आते-आते मोहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ विद्रोह बहुत तेज हो गया। ईरानियों की निगाह में अमेरिका शैताने बुजुर्ग, यानी सबसे बड़ा शैतान हो गया था। अब ईरान के पक्के दो दुश्मन हो गए। अमेरिका तो इसलिए कि वह ईरान को अपनी कालोनी बनाना चाहता है और आर्थिक साधनों का दोहन करना चाहता है। अरबों से दुश्मनी तो पुरानी है। ईरान इसलिए भी ताकतवर बनना चाहता है ताकि सभी अरबी उसकी ताकत को स्वीकार कर लें। सासानी ईरानी वंश को अरबों द्वारा हरा दिए जाने का बदला ले लिया जाएगा जब कमजोर अरब देश रक्षा के लिए ईरान की शरण में आएंगे।

इस समय ईरान अपने दौर की ऐतिहासिक उथल पुथल का शिकार है। इस उथल पुथल के बीज ईरान के इतिहास में छिपे हुए हैं। ये बीज अंकुरित होकर बड़े वृक्ष बनने की ओर अग्रसर होते हैं। जब ज्यादा बड़े होने लगते हैं तो यूरोप की ताकतें उनसे अपने को खतरा महसूस करती हैं। पश्चिमी ताकतें मिलजुल कर अपनी शक्ति का प्रयोग करती हैं और वृक्षों को काट देती हैं। लेकिन बीज कभी सूखता नहीं। फिर अंकुरित हो जाता है। यदि बहुत पीछे जाना जरूरी हो तो अरबों और ईरानियों की प्रतिद्वन्द्विता इस्लाम के आने से भी पूर्व की है। पहले खलीफा और दूसरे खलीफा के नेतृत्व में अरबों ने ईरानियों को पराजित तो कर दिया था और वहां अपना राज भी स्थापित कर लिया। इतना ही नहीं, उन्हें किसी न किसी तरह इस्लाम में मतान्तरित भी कर लिया था। लेकिन ईरान के मन में अरबों से पराजित हो जाने की टीस कभी गई नहीं। इसलिए जब करबला के मैदान में मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद के दामाद हुसैन को धोखे से घेर कर सभी सगे संबंधियों समेत कत्ल कर दिया था, तब अली के अनुयायियों ने एक नया शिया पंथ बना लिया था। ईरान मौका पाकर शिया पंथ में खिसक गया। अब अरबों का इस्लाम पंथ हुआ और ईरानियों का शिया पंथ हुआ। लेकिन ईरान का पश्चिमी ताकतों से वैर कब से है? जब पता चला कि ईरान के नीचे तेल है। लेकिन यहां हम बहुत पीछे नहीं जाएंगे। 1906 में ईरानियों ने मोर्चा संभाल लिया कि देश में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक व्यवस्था हो। उस समय ईरान में कजार वंश का शासन था। राजा ने संसद की स्थापना कर दी जिसे मजलिस कहा गया। उसके लिए बाकायदा चुनाव होने लगे। प्रधानमंत्री तक बनने लगा। लेकिन राजशाही बनी रही। मजलिस बनने पर लोगों का राजशाही से विरोध भी खत्म हो गया था। राजशाही का विरोध चाहे उतना न रहा हो, लेकिन ब्रिटेन और रूस का प्रभाव बढ़ता जा रहा था।

रूस वैसे भी कहीं न कहीं से ईरान का पड़ोसी था। ब्रिटेन का कभी सूरज नहीं डूबता था। 1921 में ईरान की सेना के एक अधिकारी रजा शाह ने विद्रोह कर दिया। राजा ने उसे शांत करने के लिए युद्ध मंत्री बना दिया। वह प्रधानमंत्री भी बन गया। लेकिन उसने संसद में ही प्रस्ताव पारित करवा कर कजार वंश के राजा को 1925 में हटा दिया और स्वयं राजा बन गया और उसने अपना नाम रखा रजा शाह पहलवी। इस प्रकार पहलवी वंश के शासन की शुरूआत हुई। कहा जाता है कि रजा शाह भी तुर्की के कमाल पाशा अता तुर्क की तरह ईरान को गणतंत्र घोषित करना चाहता था, लेकिन इंग्लैंड ने और मौलवियों ने इसका विरोध किया। अलबत्ता 1906 में बनी संसद चलती रही। बाकायदा चुनाव होते थे, लेकिन ताकत राजा के हाथों में सिमटती गई। इतना कहना पड़ेगा कि रजा शाह ने ईरान के आधुनिकीकरण में एक नया युग शुरू किया। वह मुल्ला मौलवियों के बहुत खिलाफ था। 1941 में विश्व युद्ध शुरू हो गया। रूस और ब्रिटेन ने ईरान पर हमला कर दिया। सबसे पहले रजा शाह पहलवी को गद्दी से उतारा और उसके बेटे मोहम्मद रजा पहलवी को नया राजा बनाया। इसमें कोई शक नहीं कि पहलवी वंश ईरान का आधुनिकीकरण कर रहा था लेकिन अब तक दुनिया को पता चल चुका था कि ईरान और अरेबिया के नीचे तेल है और आने वाले समय में तेल के बिना काम चलने वाला नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में सब जानते हैं कि मित्र राष्ट्रों का पलड़ा भारी हो गया था। इसलिए उन्होंने अपनी सुविधा और हितों के अनुसार कई नए देश बनाए और कई खत्म किए। नए देश बनाने में यह ध्यान जरूर रखा कि ये देश पश्चिमी ताकतों के हितों की पूर्ति करते रहें। पर ईरान तो नया देश नहीं था। सभ्यता के लिहाज से वह बहुत ही पुराना देश था। सभ्यता और चिन्तन के मामले में भी पश्चिम से आगे ही था। लेकिन अब तो अरब और ईरान में तेल की एक नई सभ्यता निकल आई थी। विश्व युद्ध ने छोटे मोटे कई अरब देश भी बना दिए थे। ब्रिटेन और अमेरिका ने तेल के लिहाज से इन सभी देशों में अपना वर्चस्व बनाए रखना जरूरी समझा। इस जरूरी समझने में एक समझ यह भी थी कि इन सभी देशों में राजशाही बनी रहे। राजा को काबू करना आसान होता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में तो नित प्रधानमंत्री बदलते हैं। नए वाला पुराने के विरोध में ही होता है। किस किस को पटाते रहेंगे। जाहिर है इसके खिलाफ सबसे पहला मोर्चा ईरान में ही लगता। 1951 में राष्ट्रवादी ताकतों ने जोर पकड़ा और मुसद्दिक प्रधानमंत्री चुने गए। मुसद्दिक ने एंग्लो ईरानी आयल कम्पनी का राष्ट्रीयकरण कर लिया। यह कम्पनी इंग्लैंड की थी। ईरान का तेल ले जाती थी और राजस्व के नाम पर थोड़ा ही ईरान को देती थी। मुसद्दिक ने घोषणा कर दी, तेल ईरान का है, इंग्लैंड को नहीं ले जाने देंगे। स्वाभाविक ही इससे इंग्लैंड और अमेरिका को चिन्ता हुई। इस प्रकार की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक हवा बहने लगी तो कल अरब देश भी हत्थे से उखड़ जाएंगे। उधर अरब देशों के बादशाहों को भी चिन्ता हुई कि ईरान की यह हवा हमारे देश में भी आ गई तो उनके सिंहासन उखड़ जाएंगे। संकट के इस काल में अमेरिका और इंग्लैंड दोनों इके हुए। सीआईए सक्रिय हुआ। मुल्ला मौलवियों को भी काफी पैसा दिया गया। ईरान में सीआईए की सहायता से मुल्ला मौलवियों का भी एक सशक्त संगठन खड़ा हो गया। उन्होंने हवा फैलाई कि मुसद्दिक शिया पंथ के खिलाफ है। तब जाकर 1953 में मुसद्दिक को बंदी बना लिया गया। मोहम्मद शाह पहलवी को फिर से सारी ताकत मिली। उसने मजलिस की शक्तियों को भी अपने में ही सोख लिया। मजलिस केवल नाम की रही। पहलवी वंश 1979 तक चला।

अब तक पहलवी वंश की पहचान बन गई थी कि उसने ईरान जैसी पुरानी सभ्यता को अमेरिका का उपनिवेश बना कर रख दिया है। 1979 तक आते आते मोहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ विद्रोह बहुत तेज हो गया। ईरानियों की निगाह में अमेरिका शैताने बुजुर्ग, यानी सबसे बड़ा शैतान हो गया था। अब ईरान के पक्के दो दुश्मन हो गए। अमेरिका तो इसलिए कि वह ईरान को अपनी कालोनी बनाना चाहता है और आर्थिक साधनों का दोहन करना चाहता है। अरबों से दुश्मनी तो पुरानी है। ईरान इसलिए भी ताकतवर बनना चाहता है ताकि सभी अरबी उसकी ताकत को स्वीकार कर लें। सासानी ईरानी वंश को अरबों द्वारा हरा दिए जाने का बदला ले लिया जाएगा जब कमजोर अरब देश रक्षा के लिए ईरान की शरण में आएंगे। अमेरिका ईरान को इतना ताकतवर बनने नहीं देगा कि अरब देश अमेरिका का रक्षा कवच छोड़ कर ईरान का रक्षा कवच ले लें। रहा इजराइल, उसे तो अपने अस्तित्व के लिए अरबों से भी लड ?ा है और ईरानियों से भी, क्योंकि दोनों आपस में चाहे लड़ते रहें, लेकिन इजराइल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की दोनों कसमें खाते हैं।

राशिफल

मेष राशि :- शारीरिक अशांति, किसी परेशानी से बचिये नहीं तो किये पर पछताना पड़ेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिये अन्यथा कुटुम्ब की समस्याओं का बोझ बढ़ेगा।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता, संतोष, धन लाभ होगा, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद होगा, शुभ कार्य होने के संकेत हैं ध्यान दें।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेगी, स्थिति पूर्ण नियंत्रण में रहेगी।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, रुके धन का लाभ अवश्य होगा।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से विशेष समर्थन फलप्रद रहेगा, व्यवसाय गति उत्तम होगी।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्य कुशलता से संतोष, पराक्रम-समृद्धि के योग अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :- विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें, स्वभावलंबी बनकर कार्य करेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में लाभ किन्तु धन का विशेष व्यय, शक्ति का व्यय होगा।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटायें, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य पर ध्यान दें।

प्रविण मसालेवाले ने मुगल किचन से प्रेरित होकर सुहाना नूर रेंज को लॉन्च किया

पुणेः भारत की मसालों और फूड सॉल्यूशंस कंपनियों में से सबसे तेजी से बढ़ती एक कंपनी, प्रविण मसालेवाले ने सुहाना नूर को लॉन्च करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। यह मिश्रित मसालों की एक नई रेंज है जिसे घर पर खाना बनाते समय पारंपरिक मुगलई खाने के असली स्वाद को फिर से बनाने के लिए विकसित किया गया है। भारतीय खाना 8000 से ज्यादा सालों के इतिहास में कई तरह के प्रभावों से बना एक मिला-जुला रूप है। देश की रसोई की विरासत पुरानी सभ्यताओं से आती है, जिस पर बाद के सालों में पश्चिमी एशियाई और फारसी संस्कृति का असर हुआ है, जिसके बाद मुगल और ब्रिटिश प्रभाव पड़े। सालों से, मुगलई खाना भारतीय खाने का एक जरूरी हिस्सा बन गया है झ चाहे वह कोरमा और करी, टिक्का और कबाब के रूप में हो, या बहुत पसंद की जाने वाली बिरयानी के अलग-अलग रूपों में हो। मुगलई खाने का असली मजा धीमी आंच पर खाना पकाने की प्रक्रिया और परतदार ग्रेवी में है, जिससे खाने में मजा आता है। लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें इस्तेमाल होने वाले मसालों का मिश्रण, जो अलग-अलग व्यंजनों के असली स्वाद को ज़िंदा रखने के लिए बहुत जरूरी है। सुहाना नूर का मकसद उपभोक्ताओं को मसालों की ऐसी रेंज देना है, जिससे वे घर पर मुगलई खाने की सबसे प्रचलित डिश तैयार कर सकें और उनके असली स्वाद का अनुभव भी बरकरार रहे। यह रेंज उन उपभोक्ताओं के लिए लाई गई है जो मुगलई डिश बनाना और खाना पसंद करते हैं, लेकिन बाजार में अभी मौजूद दूसरे मसालों के मुकाबले ज्यादा प्रमाणित स्वाद चाहते हैं। सुहाना नूर खास उत्पादों की एक रेंज को पेश करता है जो मुगल किचन की क्लासिक रेसिपीज को फिर से बनाती है। इस रेंज में बिरयानी, ग्रेवी और स्टार्टर के लिए समर्पित मिश्रण शामिल हैं, जैसे शाही बिरयानी मसाला, बॉम्बे बिरयानी मसाला, सिंधी बिरयानी मसाला, चिकन कोरमा मसाला, मटन कोरमा मसाला, कड़ाही मसाला, अचार गोश्त मसाला, डालचा/दाल गोश्त मसाला, निहारी मसाला, शामी कबाब मसाला और सीख कबाब मसाला। मुगलई किचन की शान और सदियों पुरानी खाने की परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए, हर मसाले का मिश्रण कंपनी की खोज और अनुसंधान टीम द्वारा दो साल से ज्यादा की गहन रिसर्च के बाद सोच-समझकर बनाया गया है। इस प्रोसेस में मुगलई इतिहास, क्षेत्रीय खाना पकाने की शैलियों की गहन पड़ताल और विशेषज्ञों से सलाह शामिल थी ताकि खाने के शाही स्वाद को सही तरीके से फिर से बनाया जा सके। सिर्फ.सबसे बेहतरीन सामग्री को हाथ से चुना गया है, जिसमें बिरयानी जैसे खास मिश्रणों को सूखे आलूबुखारे जैसे खास तत्वों से भरपूर किया गया है - यह एक ऐसी सामग्री है जिसका इस्तेमाल पारंपरिक रूप से स्वाद में गहराई और हल्की मिठास जोड़ने के लिए किया जाता है। पूरी रेंज कंपनी की अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में बनाई जाती है, जो विरासत को आधुनिक गुणवत्ता मानकों के साथ सहजता से मिलाती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, प्रविण मसालेवाले के स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग और फाइनेंस के निर्देशक श्री विशाल चोरडिया ने कहा, ह्लसुहाना में, हमने हमेशा इलाकाई स्वाद के हिसाब से उत्पाद तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है, चाहे वह हमारी गुजरात स्पेशल रेंज हो या कर्नाटक स्पेशल उत्पाद। खास तरह के खाने के लिए मसालों के मिश्रण की मांग बढ़ रही है, खासकर नॉन-वेजिटेरियन डिशेज के लिए जो आजकल घरों में ज्यादा बनाई जा रही है। सुहाना नूर के साथ, हमारा मकसद पॉपुलर मुगलई रेसिपी बनाने को आसान बनाना है, साथ ही उनके असली स्वाद को भी बनाए रखना है। रेस्टोरेंट में पॉपुलर होने के बावजूद, पैकेट वाले मसालों के सेगमेंट में मुगलई खाना अभी भी कम है, और यह रेंज रोजाना घर पर खाना बनाने के लिए सुविधाजनक, किफायती मिश्रण के साथ इस कमी को पूरा करना चाहती है।

ड्राइव करने से आपकी गर्दन हो रही है खराब, स्पाइन सर्जन दी सलाह

सफर को आसान बनाने के लिए कई लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट की जगह अपनी कार से ट्रैवल करना पसंद करते हैं। ऐसे में कई बार लंबी ड्राइविंग के बाद पीठ और टेल बोन में दर्द या गर्दन में अकड़न की समस्या महसूस होती है। ड्राइव करते समय एक ही पोजिशन में लंबे समय तक बैठे रहने या झटके लगने की वजह से यह समस्या हो सकती है। ऐसे में अगर आपको भी यह समस्या होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इस समस्या से कैसे बच सकते हैं।

ड्राइविंग पीठ को क्यों पहुंचाती है नुकसान

लगातार बैठे रहना : घंटों तक एक ही जगह पर बैठने से रीढ़ की डिस्क पर दबाव पड़ता है।

गलत पोस्चर : झुककर बैठने से गर्दन और कमर की मांसपेशियों में खिंचाव आता है।

झटके लगना : ऊबड़-खाबड़ सड़कें औ? गाड़ी की कंपन से रीढ़ की स्पाइन में चोट आ सकती है।

गतिहीनता होना : जब लंबे समय तक मूवमेंट नहीं होता है, तो ब्लड सकुर्लेशन रुकता है और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं।

बरतें ये सावधानियां : सही पोस्चर है जरूरी

बैठने से पहले पीछे की जेब से फोन या वॉलेट जैसी चीजों को निकाल दें। स्टेयरिंग व्हील से सही दूरी पर बैठें और सीट को थोड़ा सा पीछे झुकाकर रखें। वहीं जरूरत पड़े तो लम्बर सपोर्ट पिलो का इस्तेमाल करें।

ब्रेक लें : लगातार गाड़ी न चलाएं। हर 1.5 से 2 घंटे में 5-10 मिनट का ब्रेक जरूर लें। गाड़ी से बाहर निकलें, स्ट्रेचिंग करें औ? थोड़ा सा टहलें। ऐसा करने से मांसपेशियों का तनाव कम होता है और साथ ही ब्लड सकुर्लेशन भी बेहतर होता है।

रखरखाव और आराम : आपको ऐसी कार चुननी चाहिए, जिसकी सीटें कंफर्टेबल हों। गाड़ी के शॉक एब्जॉर्बर और टायरों को दुरुस्त रखें। जिससे झटके कम लगें। वहीं गाड़ी चलाते समय अचानक ब्रेक लगाने से बचना चाहिए और पैरों को पैडल पर कंफर्टेबल रखें।

ऐसे करें ड्राइविंग : ड्राइविंग के दौरान पूरी तरह से जकड़ कर न बैठें। हर 15-20 मिनट में बैठने की स्थिति को थोड़ा सा बदलें। वहीं अगर हो सके तो लंबी ड्राइविंग की जिम्मेदारी को आपस में बांट लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जियोस्टार का खास प्लान, आ रही हैं 50 फिल्में

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर जियोस्टार के हिंदी मूवी चैनल्स खास आयोजन कर रहे हैं। नेटवर्क अपने नौ चैनलों पर 50 ऐसी फिल्में दिखाएगा, जिनमें कहानी की कमान महिलाओं के हाथ में है। इस पूरे आयोजन की सबसे बड़ी खास बात फिल्म मां का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर है, जिसमें काजोल नजर आएंगी। फिल्म 07 मार्च को रात आठ बजे स्टार गोल्ड पर दिखाई जाएगी और 08 मार्च को दोपहर 12 बजे दोबारा टेलीकास्ट होगी। इस मौके पर मैरी कॉम, शाबाश मिथु, मदार्नी 2, यशोदा, मीमी, दामिनी, नीरजा और स्त्री 2 जैसी फिल्में भी दिखाई जाएंगी।

ये सभी फिल्में ऐसी महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं जो मुश्किल हालात से लड़ती हैं और अपनी अलग पहचान बनाती हैं। यह कार्यक्रम नेटवर्क के बाकी चैनलोंस्टार गोल्ड 2, स्टार गोल्ड रोमांस, स्टार गोल्ड थ्रिल्स, स्टार उत्सव मूवीज, स्टार गोल्ड सिलेक्ट, कलर्स सिनेप्लेक्स, कलर्स सिनेप्लेक्स बॉलीवुड और कलर्स सिनेप्लेक्स सुपरहिट्स पर भी दिनभर चलेगा। फिल्म ह्यमांह्ल एक मां के प्यार, हिम्मत और अपने बच्चे के लिए हर हद तक जाने की कहानी है। काजोल ने कहा कि उन्हें खुशी है कि यह फिल्म महिला दिवस के खास मौके पर टीवी पर आ रही है और अब यह देशभर के परिवारों तक पहुंचेगी। नेटवर्क की ओर से कहा गया है कि इन 50 फिल्मों के जरिए महिलाओं की ताकत, संघर्ष और उनके सफर को सलाम किया जा रहा है। महिला दिवस पर यह पूरा दिन खास तौर पर महिलाओं की कहानियों को समर्पित रहेगा।

विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल, कार्रवाई में देरी से ग्रामीणों में नाराजगी

नदी से अवैध रेत भरते ट्रैक्टर-ट्रॉली को ग्रामीणों ने पकड़ा, चार घंटे बाद पहुंचा वन अमला

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। कुरई वन सामान्य परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खांडसा के उतरिया वन सामान्य क्षेत्र की नदी में अवैध रूप से रेत भरते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़ा गया वाहन क्रमांक **MP 50 AA 0480** बताया गया है, जिसे चालक पवन पिता धूप सिंह (उम्र लगभग 41 वर्ष), निवासी नयेगांव चला रहा था। ग्रामीणों के अनुसार उतरिया नदी से रेत का अवैध उत्खनन लंबे समय से चल रहा है। गुरुवार को जब चालक ट्रॉली में रेत भर रहा था, तभी ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया और वाहन सहित ग्राम पंचायत कार्यालय में खड़ा कर दिया। इसके बाद पंचनामा कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग को सूचना दी गई।

चार घंटे तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा

ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद करीब चार घंटे तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। लंबे इंतजार के बाद डिप्टी रेंजर और वनरक्षक मौके पर पहुंचे। कार्रवाई में हुई इस देरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। ग्राम पंचायत सरपंच सहित पंचगणों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन लंबे समय से जारी है, लेकिन विभाग की उदासीनता के कारण यह धंधा रुक नहीं पा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही और मौन सहमति के चलते ही अवैध रेत का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है।

इनका कहना है

वन सामान्य परिक्षेत्र के वन एवं राजस्व क्षेत्र के कक्ष क्रमांक आरएफ 344 उतरिया नदी से रेत भरते वाहन को पकड़कर राजसात करने की कार्रवाई की जा रही है।

अशोक कुमार इक्का, डिप्टी रेंजर

ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग समय पर कार्रवाई करे और नियमित निगरानी रखे, तो क्षेत्र में चल रहे अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाई जा सकती है।

जिले में 9 मार्च से शुरू होंगी कक्षा 3, 4, 6 व 7 की वार्षिक परीक्षाएं

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र के निदेशानुसार जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 3, 4, 6 एवं 7 के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 9 मार्च 2026 से 17 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। सभी कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होंगी। जिले के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 3 के 12,187, कक्षा 4 के 13,323, कक्षा 6 के 14,662 तथा कक्षा 7 के 15,243 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 55,415 विद्यार्थी वार्षिक मूल्यांकन में सम्मिलित होंगे। परीक्षा में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संस्था प्रमुख, जन शिक्षक, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी एवं बीआरसीसी को दी गई है। साथ ही सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से परीक्षा में सम्मिलित कराएं। स्थानीय परीक्षा व्यवस्था के अंतर्गत संबंधित शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन प्रश्नपत्र समाप्त होने के बाद उसी दिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाए। परीक्षा के दौरान मॉनिटरिंग के लिए जन शिक्षक, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी, बीआरसीसी एवं एपीसी को कम से कम दो विद्यालयों का निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं 28 फरवरी को समाप्त हो चुकी हैं। इन परीक्षाओं के बाद जिले में निर्धारित 8 मूल्यांकन केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी है। जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं के अंकों की प्रविष्टि प्रतिदिन पोर्टल पर करना अनिवार्य किया गया है।

पेंच टाइगर रिजर्व में जुगनी बाघिन चार शावकों के साथ दिखी पर्यटकों को मिला रोमांचक नजारा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को बेहद रोमांचक दृश्य देखने को मिला। सफारी पर निकले पर्यटकों के सामने जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ बेखौफ अंदाज में चहलकदमी करती नजर आई। खुले रास्ते पर शान से चलते बाघिन और उसके शावकों को देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार यह घटना उस समय की है जब पर्यटकों की जिप्सी एक वन मार्ग से गुजर रही थी। उसी दौरान जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ बिना किसी डर के कच्ची सड़क पार कर जंगल की ओर बढ़ती दिखाई दी। अचानक सामने बाघिन और उसके शावकों को देखकर पर्यटक रोमांच और उत्साह से भर उठे। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पेंच टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बाघों के दीदार के लिए पहुंचते हैं। पेंच नेशनल पार्क मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में फैला हुआ है, जबकि इसका एक हिस्सा महाराष्ट्र के नागपुर जिले तक विस्तृत है। पेंच नदी के नाम पर बने इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1975 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला था और बाद में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। घने जंगलों, घास के मैदानों और पहाड़ियों से घिरा पेंच टाइगर रिजर्व विश्वप्रसिद्ध लेखक रुडयार्ड किपलिंग की कृति द्यद जंगल बुकद्ध से प्रेरित जंगल के रूप में भी जाना जाता है। यहां बाघ और तेंदुए के अलावा भालू, जंगली कुत्ते, चीतल, सांभर, नीलगाय और गौर जैसे अनेक वन्यजीव पाए जाते हैं। साथ ही यहां पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां दर्ज की गई हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिए भी आकर्षक स्थल बनाती हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी पेंच टाइगर रिजर्व महत्वपूर्ण है। यहां जीप सफारी और हाथी सफारी के माध्यम से पर्यटकों को जंगल भ्रमण की सुविधा मिलती है। अक्टूबर से जून तक का समय यहां घूमने के लिए उपयुक्त माना जाता है। पेंच टाइगर रिजर्व न केवल पर्यटन को बढ़ावा देता है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भाजपा की नई कार्यकारिणी की पहली परिचय बैठक, संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - परिस्थितियों को अनुकूल मानकर विश्राम करना भाजपा कार्यकताओं के संस्कारों में नहीं है। हम निरंतर कार्य करने वाले कार्यकर्ता हैं और समाज, राष्ट्र तथा संगठन के लिए समर्पण भाव से कार्य करना हमारी संस्कृति है। जिन कार्यकताओं को संगठन में नवीन दायित्व मिला है, वे इसे जिम्मेदारी के साथ निभाएं। विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन में जिले का कोई पद मिलना गौरव की बात है। उक्त बातें भाजपा जिला प्रभारी एवं कैंट क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी ने भाजपा की नवीन जिला कार्यकारिणी की प्रथम परिचय बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष मीना बिसेन के नेतृत्व में संगठन को सशक्त बनाने में योगदान दें। रोहाणी ने कहा कि भाजपा का विशाल संगठन हमारे पितृपुरुषों के श्रम और संघर्ष का परिणाम है। हमें भी उसी भावना के साथ उनके सपनों को साकार करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने उनके पिता स्व. ईश्वरदास रोहाणी के साथ कार्य किया है, इसलिए वे मार्गदर्शन देने नहीं बल्कि सभी से सीखने के भाव से यहां आए हैं। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष मीना बिसेन ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन में दायित्वों में बदलाव होते रहते हैं, लेकिन कार्यकर्ता का पद स्थायी होता है। उन्होंने कहा कि नए दायित्ववान कार्यकताओं के साथ संगठन को और मजबूत बनाना उनका लक्ष्य है। जिन कार्यकताओं को अभी दायित्व नहीं मिला है, उन्हें भी जल्द ही जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, क्योंकि संगठन की नीति है कि प्रत्येक कार्यकर्ता को कार्य का अवसर मिले। इस अवसर पर सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला प्रभारी अशोक रोहाणी को आश्वस्त किया कि उनके मार्गदर्शन में जिले की दोनों लोकसभा सीटों के साथ ही चारों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा विजय का परचम फहराएगी। भाजपा मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर ने रखी तथा संचालन महामंत्री मुकेश बघेल ने किया। आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष संतोष नगपुरे ने किया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष ढालसिंह बिसेन, नीता पटेरिया, वेदसिंह ठाकुर, सुजीत जैन, कीरतसिंह बघेल, जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल, पूर्व विधायक डालसिंह मर्सकोले, एसटी मोर्चा के प्रदेश मंत्री लोचनसिंह मर्सकोले, युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार, नगर अध्यक्ष अभिषेक दुबे, युवराज सिंह राहंगडाले सहित जिला पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष-महामंत्री एवं स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास मामले में फरार तीन आरोपी गिरफ्तार, कार, पिस्टल व कारतूस जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अजीत उपाध्याय और प्रबुद्ध शुक्ला सहित एक अन्य आरोपी को दबिश देकर पकड़ लिया। आरोपियों के कब्जे से एक कार, पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई सिवनी शहर में हाल ही में एक युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में की गई। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली पुलिस की विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र में दबिश देकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक कार, पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अजीत उपाध्याय और प्रबुद्ध शुक्ला के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का शहर के प्रमुख मार्गों पर जुलूस भी निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

मलेरिया उन्मूलन के लिए केवलारी से जनजागरूकता रथ रवाना

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। जिले में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और मलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से एम्बेड परियोजना के तहत जनजागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। सिविल अस्पताल केवलारी परिसर से जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो विकासखंड केवलारी के मलेरिया प्रभावित ग्रामों में भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेगा। यह अभियान मच्छर जनित स्थानिक रोगों के उन्मूलन (एटइएऊ) परियोजना के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। परियोजना का संचालन फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा किया जा रहा है, जिसमें गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम कलेक्टर महोदया एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर के निर्देशन में आयोजित किया गया। सिविल अस्पताल केवलारी से जनजागरूकता रथ को खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए. के. लाकरा, भाजपा सह जिला मीडिया प्रभारी अशोक बंदेवार, डॉ. अंकुर उपाध्याय (एमओ) तथा डॉ. स्वप्निल काकोडिया (एमओ) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एम्बेड परियोजना के ब्लॉक समन्वयक विवेक झारिया, मनीषा बागड़े (एमटीएस), रमनलाल ठाकुर (बीईई), डॉ. आहुति साहू (एफडी), मीना ठाकुर (डीईओ), विशाल बिसेन (एसटीएलएस), पार्वती नागवंशी (एनओ), सतेंद्र सिंह ब्रह्मणे (डीईओ), गौरव पिपरे (एलटी), माधुरी देशमुख (एलटी), रितु सैयाम सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अभियान के दौरान सामुदायिक बैठकें, पेम्पलेट वितरण, आईईसी गतिविधियां तथा घर-घर संपर्क कर जागरूकता संवाद आयोजित किए जाएंगे। लोगों को घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, पानी जमा न होने देने, मच्छरदानी का उपयोग करने, पूरे आस्तीन के कपड़े पहनने तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए मलेरिया जैसी बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस जनजागरूकता अभियान से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और मच्छर जनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

हृदय गति रुकने से जनशिक्षक व छात्रावास अधीक्षक रम्मू लाल पंदे का निधन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी -शिकारा क्षेत्र के वरिष्ठ जनशिक्षक एवं बालक छात्रावास अधीक्षक रम्मू लाल पंदे का हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही शिक्षा जगत सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कर्तव्यनिष्ठ और सरल स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले पंदे के अचानक निधन से सहकर्मी, विद्यार्थी और क्षेत्रवासी गहरे दुख में हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद हृदय गति रुकने से उनका देहांत हो गया। निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और सामाजिक कार्यकर्ता उनके निवास पर पहुंचने लगे और परिजनों को सांत्वना दी। रम्मू लाल पंदे अपने कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव और अनुशासनप्रिय कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। उन्होंने लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं और अनेक विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में कई शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिली और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। सहकर्मियों के अनुसार पंदे हमेशा अपने कार्य के प्रति सजग रहते थे और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहते थे। उनका व्यवहार सरल और मिलनसार था, जिसके कारण वे सभी के बीच लोकप्रिय थे। परिवार और समाज के लिए यह अपूरणीय क्षति मानी जा रही है।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?

अब आपके शहर **सिवनी** में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव

डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक

माह के दूसरे एवं चौथे **बुधवार**
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

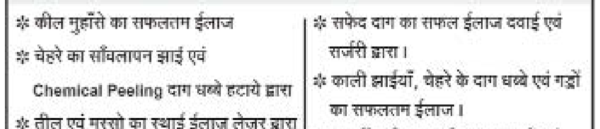

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज

- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सों का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

जीतू बोले- सीएम पहलवान, लेकिन अफसरों के दांव में चित

कृषि विभाग के 60% पद खाली, किसान कर्ज में डूबे; कृषक कल्याण वर्ष पर भी उठाए सवाल

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मुकेश नायक, अभय दुबे और सुखदेव पांसे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोहन सरकार के ह्लकृषक कल्याण वर्षह्व पर सवाल उठाए। पटवारी ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण की बात कर रही है, जबकि कृषि तंत्र में भारी कमी और बाजार में किसानों को उचित कीमत नहीं मिल रही है।

सीएम पहलवान लेकिन अफसरों के दांव में चित हो जाते हैं : पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे शुरूआती दिनों में पहलवानी करते थे और उज्जैन में उन्हें पहलवान के नाम से जाना जाता है। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि जब कोई अधिकारी उनके पास आता है और ह्लपहलवानी का दांवह्व देता है तो मुख्यमंत्री खुद ही चित हो जाते हैं। पटवारी ने कहा कि ऐसी स्थिति एक-दो बार नहीं बल्कि लगभग हर महीने देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री को अपने पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए।

सीएम के जिले में 18सौ रुपए क्विंटल बिक रहा गेहूं : उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों को तीन बड़ी गारंटियां दी थीं, गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल, धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल और सोयाबीन 6000 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने की बात कही थी। लेकिन हकीकत यह है कि उज्जैन मंडी में गेहूं 1800 से 1900 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहा है। यह स्थिति मुख्यमंत्री के अपने विधानसभा क्षेत्र की मंडी की है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस ने इसका वीडियो भी जारी किया था, जिससे साफ है कि एक तरफ सरकार कृषि कल्याण की बात करती है और दूसरी तरफ किसानों को उचित दाम तक नहीं मिल पा रहा है।

मुख्यमंत्री एक साल का हिसाब दे दे : जीतू पटवारी ने कहा, मुख्यमंत्री को पिछले 20 साल का नहीं, सिर्फ पिछले एक साल का हिसाब देना चाहिए। अगर सरकार सच में किसानों के हित में काम कर रही है तो वह अपने एक साल के काम का ब्योरा सार्वजनिक करे।

पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कृषि व्यवस्था सरकारी उदासीनता के बोझ तले दम तोड़ रही है। कृषि विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विभाग में स्वीकृत 14,537 पदों में से 8,468 पद खाली हैं, यानी लगभग 60 प्रतिशत कर्मचारी नहीं हैं। इसके अलावा मत्स्य पालन विभाग में 1,290 में से 722 पद रिक्त हैं, उद्यानिकी विभाग में 3,079 में से 1,459 पद खाली हैं और पशुपालन व डेयरी विभाग में भी बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं।

पटवारी ने कहा कि जब कृषि से जुड़े विभागों में इतनी बड़ी संख्या में पद खाली हैं तो सरकार किसानों के कल्याण की बात किस आधार पर कर रही है। उन्होंने सरकार से तुरंत रिक्त पद भरने और किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने की मांग की।

बिना ट्रेनिंग बन रहे कैंसर विशेषज्ञ

हमीदिया के लिए डुअल लीनेक नहीं हुआ ऑर्डर, हर माह 1500 मरीजों को सिर्फ सलाह

भोपाल। राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में हर महीने 1500 से ज्यादा कैंसर मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, लेकिन यहां रेडिएशन की सुविधा न होने से उन्हें सिर्फ ओपीडी में सलाह मिल रही है। कोबाल्ट मशीन सालों से खराब है, ब्रेकी थेरेपी यूनिट भी बंद पड़ी है और डुअल एनर्जी लीनेक मशीन अब तक ऑर्डर नहीं हुई। नतीजा यह कि मरीजों को रेडिएशन के लिए एम्स या निजी कैंसर अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि छात्रों को भी क्लिनिकल एक्सपोजर नहीं मिल पा रहा। जबकि दावा है कि नया रेडिएशन बंकर तैयार है और जल्द 25 करोड़ की हाईटेक यूनिट शुरू होगी। बता दें, पुरानी कोबाल्ट मशीन वर्षों से खराब पड़ी है और अब उसे डिकमीशन करने की तैयारी चल रही है। वहीं ब्रेकी थेरेपी मशीन भी पिछले एक साल से बंद है। ऐसे में सर्जरी होने के बाद भी मरीजों को रेडिएशन के लिए अन्य संस्थानों में भेजना पड़ता है। वहीं, जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने कहा कि बंकर तैयार है और जल्द ही मशीनें इंस्टॉल की जाएंगी।

एम्स या निजी अस्पताल ही मरीजों के पास विकल्प : रेडिएशन की जरूरत वाले मरीजों को या तो एम्स या निजी कैंसर अस्पतालों में जाना पड़ रहा है। एम्स में पहले से भारी भीड़ है, जिससे लंबी वेटिंग का सामना करना पड़ता है। यदि मरीज निजी अस्पताल का रुख करता है, तो उसे डेढ़ से दो लाख रुपये तक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह बड़ा संकट है।

छात्रों को नहीं मिल रहा मरीजों का अनुभव : स्थिति का असर मेडिकल शिक्षा पर भी पड़ रहा है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने पिछले सत्र में जीएमसी की ऑन्कोलॉजी की चारों पीजी सीटों की मान्यता रद्द कर दी थी। बाद में इस सत्र में सीटें बहाल की गईं, क्योंकि कॉलेज प्रशासन ने जल्द नई लीनेक मशीन स्थापित करने का आश्वासन दिया था। मशीन अब तक ऑर्डर नहीं होने से पीजी छात्रों को रेडिएशन थेरेपी का व्यावहारिक अनुभव नहीं मिल पा रहा। हमीदिया अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि इस संबंध में प्रबंधन को पत्राचार के जरिए अवगत कराया गया है।

पांच कॉलेजों में मशीन, जीएमसी पीछे : प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों के लिए डुअल लीनेक मशीनें प्रस्तावित थीं। जानकारी के अनुसार, चार अन्य कॉलेजों के लिए मशीनों के ऑर्डर जारी हो चुके हैं, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज के लिए अब तक ऑर्डर नहीं हुआ। यह स्थिति राजधानी के सबसे बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए चिंता का विषय है।

तैयार है हाईटेक रेडिएशन बंकर : दूसरी ओर, जीएमसी और हमीदिया अस्पताल प्रशासन का दावा है कि कैंसर उपचार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। रेडिएशन बंकर पूरी तरह तैयार है और एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड के मानकों के अनुसार बनाया गया है। यह बंकर तीन मीटर मोटी ठोस कंक्रीट की दीवारों और विशेष शील्डिंग से तैयार किया गया है, ताकि हाई एनर्जी रेडिएशन सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जा सके। आसपास की दीवारें भी डेढ़ मीटर मोटी हैं। जल्द ही अएफ्ह की टीम निरीक्षण करेगी और हरी झंडी मिलने के बाद मशीन इंस्टॉल की प्रक्रिया शुरू होगी।

25 करोड़ की डुअल एनर्जी लीनेक यूनिट : हमीदिया अस्पताल में करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक डुअल एनर्जी लीनेक मशीन लगाने की योजना है। यह मशीन दो प्रकार की रेडिएशन ऊर्जा के जरिए ट्यूमर पर सटीक प्रहार करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तकनीक में रेडिएशन सीधे कैंसर कोशिकाओं पर असर करता है और स्वस्थ ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है।

छिंदवाड़ा में मंदिर पर हरा झंडा लगाने का मामला

सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की कोशिश, पुलिस अलर्ट; सीसीटीवी खंगाले जा रहे

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सोनपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक मंदिर पर हरा झंडा फहराने का मामला सामने आया है। मंदिर के गेट पर संप्रदाय विशेष का झंडा लगाए जाने और मूर्ति के ऊपर हरे रंग का कपड़ा डाले जाने की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही अमरवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि यह गांव अमरवाड़ा मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर स्थित है। स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी थी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। संभावित सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने लाइन बल के साथ आसपास के थानों की पुलिस को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

शुक्रवार सुबह नजर आया गेट पर झंडा : स्थानीय लोग के अनुसार शुक्रवार की सुबह मंदिर के सामने गुजरते समय मंदिर के गेट पर लगे हरे झंडे को देखकर लोग रुक गए। इसके बाद अंदर देखा तो कुछ प्रतिमाओं के ऊपर भी हरा कपड़ा ढका हुआ था। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी सुबह 9:30 बजे पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। इसके पूर्व घटना की जानकारी जैसे ही आसपास के क्षेत्र में पहुंची, तो गांव के लोग एकत्रित हो गए लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में कर ली। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी सहित हर बिंदु पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फिलहाल स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण बनी हुई है। मामले की जांच के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि इस हरकत के पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा सके।आज जुम्मे की नमाज होने के कारण पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की हरकत कर विवाद भड़काने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैतूल के चिचोली बस स्टैंड पर चलेगा सरकारी बुलडोजर

बैतूल। बैतूल जिले के चिचोली में नगर परिषद प्रशासन ने बस स्टैंड क्षेत्र की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। नवनिर्मित बस स्टैंड के आसपास सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए 20 अतिक्रमणकारियों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सैयद आरिफ हुसैन ने बताया कि नोटिस जारी होने के बाद अतिक्रमणकारियों को सात दिन का समय दिया गया है। उन्हें इस अवधि में स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। यदि तय समय सीमा में कब्जा नहीं हटाया गया, तो नगर परिषद द्वारा बलपूर्वक कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से ही वसूला जाएगा।

पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 4 पदाधिकारी 6 साल के लिए निष्कासित

छिंदवाड़ा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की कार्रवाई; छवि धूमिल करने का आरोप

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने संगठन विरोधी गतिविधियों और सोशल मीडिया पर पार्टी की छवि खराब करने के आरोप में सख्त कदम उठाया है। गुरुवार (5 मार्च 2026) को हुई जांच समिति की बैठक की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी ने अपने चार अहम पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, छिंदवाड़ा के पूर्व जिलाध्यक्ष देवराम उर्फ देवरावन भलावी, युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रवीण धुर्वे, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संदीप इनवाती और सिवनी जिले के रावनशाह उइके को छह वर्षों के लिए बाहर का रास्ता दिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार नागवंशी की नाराजगी के बाद देवराम को पहले जिलाध्यक्ष पद से हटाया गया था और अब उन पर यह बड़ी कार्रवाई की गई है।

कई अन्य को नोटिस, 15 दिन में मांगा जवाब : राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि पार्टी लाइन से हटकर अनुशासनहीनता करने वाले किसी भी नेता या कार्यकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ अन्य पदाधिकारियों को 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा जाए। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है।

सिवनी में 26 फरवरी को हुई नियुक्ति भी निरस्त : निष्कासन के अलावा, पार्टी ने सिवनी जिले में शक्ति सिंह सिसोदिया की 26 फरवरी 2026 को की गई नियुक्ति को भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। इस मामले में अंतिम निर्णय अब प्रदेश समिति द्वारा लिया जाएगा। पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट कर दिया है कि संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली कोई भी गतिविधि किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बेटे ने मां की गला दबाकर हत्या की

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, गर्दन की हड्डी टूटी मिली

बैतूल। बैतूल रंगों के त्योहार के बीच बैतूल जिले के साईंखेड़ा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सेमझिरा गांव में एक बेटे ने अपनी ही मां की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई और लोगों में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार सेमझिरा गांव की रहने वाली गेंदीबाई बाघमारे (70) अपने बेटे लखन बाघमारे (35) के साथ रहती थीं। बताया जा रहा है कि लखन का स्वभाव झगड़ालू था और वह अक्सर घर में विवाद करता रहता था। घरेलू कलह के कारण उसकी पत्नी भी बच्चों को लेकर पहले ही मायके चली गई थी। जानकारी के मुताबिक 2 मार्च की रात मां-बेटे के बीच फिर से विवाद हुआ। पड़ोसियों ने दोनों के बीच झगड़े की आवाजें भी सुनी थीं, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि यह विवाद इतना गंभीर रूप ले लेगा। आरोप है कि गुस्से में आकर लखन ने अपनी मां का गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।**गला दबाकर की हत्या :** शुरूआत में महिला की मौत सामान्य लग रही थी, लेकिन घटना संदिग्ध होने के कारण पुलिस ने जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है और उनकी गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई। इसके बाद पुलिस ने पड़ोसियों के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान सामने आया कि घटना की रात मां-बेटे के बीच झगड़ा हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने लखन से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। थाना प्रभारी राजन उईके ने बताया कि आरोपी लखन अक्सर पत्नी और बच्चों के साथ भी मारपीट करता था। घरेलू विवाद के चलते उसकी पत्नी पहले ही मायके चली गई थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस मां ने बेटे को जन्म दिया, उसी बेटे के हाथों उसकी जान जाना बेहद दुखद और शर्मनाक है।

होली के त्योहार पर 948 सड़क हादसे:सागर 67 के साथ टॉप पर

नशा, तेज रफ्तार और नियमों की अनदेखी बनी बड़ी वजह

भोपाल। होली के उत्सव के बीच प्रदेश में सड़क हादसों का ग्राफ चिंताजनक रूप से बढ़ गया। 4 मार्च को 108 एंबुलेंस सेवा के डेटा के अनुसार एक ही दिन में 948 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। सबसे अधिक 67 हादसे सागर जिले में हुए, जबकि राजधानी भोपाल 39 मामलों के साथ आठवें स्थान पर रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी हादसों के प्रमुख कारण हैं। सरकारी अस्पतालों में सामान्य दिनों की तुलना में दोगुने से अधिक घायल इलाज के लिए पहुंचे।

सागर टॉप पर, कई जिलों में बढ़े मामले : प्रदेश में दर्ज 948 सड़क हादसों में सागर जिला 67 मामलों के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद विदिशा में 55, इंदौर में 46 और जबलपुर में 45 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। महाकौशल और विंध्य क्षेत्र के जिलों में भी स्थिति गंभीर रही। रीवा और सतना में 42-42 तथा रायसेन में 41 हादसे दर्ज हुए। राजधानी भोपाल में 39 दुर्घटनाएं सामने आईं, जिससे वह सूची में आठवें स्थान पर रहा। वहीं, छिंदवाड़ा (30), धार (28), सिंगरौली (27), खरगोन और बालाघाट (25-25) में भी उल्लेखनीय संख्या में सड़क हादसे हुए। वहीं शाजापुर में 2 और दतिया में 1 हादसा दर्ज किया गया।

नशा और तेज रफ्तार बनी बड़ी वजह : 108 एंबुलेंस सेवा के सीनियर मैनेजर तरुण सिंह परिहार ने बताया कि तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि होली के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस बार बीते साल की तुलना में नशे में हुए एक्सीडेंट की संख्या अधिक रही है।

भोपाल में सामान्य से दोगुने मामले : राजधानी भोपाल के सरकारी अस्पतालों में होली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े 62 घायल इलाज के लिए पहुंचे। जबकि सामान्य दिनों में यह संख्या 20 से 25 के बीच रहती है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अधिकतर घायलों में बाइक सवार शामिल थे। कई मामलों में हेलमेट का उपयोग नहीं किया गया था, जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं।

ट्रॉमा मामलों में 30 प्रतिशत तक मृत्यु दर : कम्युनिटी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप गुप्ता के अनुसार, एक रिसर्च में पाया गया है कि सड़क दुर्घटना के बाद ट्रॉमा में लाए गए 10 गंभीर घायलों में से 3 की जान नहीं बच पाती। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मामलों में ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं किया गया था। बाइक चालकों के लिए हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है, क्योंकि सिर की चोटें जानलेवा साबित हो सकती हैं। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां हेलमेट पहनने के कारण गंभीर हादसे के बावजूद व्यक्ति की जान बच गई।

हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी : तरुण सिंह परिहार ने बताया कि अधिकांश मामलों में लोग हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करते। छोटी दुर्घटना भी इसी कारण गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वाहन चलाते समय सभी नियमों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में निजी वाहन से ले जाने के बजाय एंबुलेंस सेवा का उपयोग करें, क्योंकि उसमें जीवन रक्षक उपकरण और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद रहता है।

जागरूकता ही बचाव का रास्ता : विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारों के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। उत्सव का माहौल सड़क सुरक्षा के नियमों को नजरअंदाज करने का कारण नहीं बनना चाहिए। तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण बढ़ते हादसे यह संकेत दे रहे हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान और सख्त प्रवर्तन की आवश्यकता है, ताकि आने वाले समय में ऐसे आंकड़ों में कमी लाई जा सके।

अंधे मोड़ पर कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

चिकलोद कलां। चिकलोद रोड पर 34 मील के पास जमुनिया घाटी के अंधे मोड़ पर बुधवार दोपहर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे करहोदा निवासी आशीष मरप्पे 24 पिता आजाद सिंह की मौके पर मौत हो गई। पीछे बैठे विक्की मरकाम 22 गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है। आशीष अपने साथी विक्की के साथ प्लेटिना बाइक एमपी04 जेडई 8734 से चिकलोद से 34 मील की ओर जा रहा था। दोपहर करीब 2:30 बजे मोड़ पर सामने से आ रही सफेद अल्टो कार एमपी04 सीएल 9501 के चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए। आशीष के सिर, हाथ, पैर में गंभीर चोटें आईं। उसने मौके पर दम तोड़ दिया। विक्की के सिर, हाथ, पैर में भी गंभीर चोटें आईं। सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची।

गेहूं पंजीयन पोर्टल 1 एफ्ते से ठप, किसान परेशान

रायसेन में अंतिम तिथि कल, 1500 लोगों के पंजीयन अब भी नहीं हुए

रायसेन। रायसेन जिले में गेहूं खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। सर्वर डाउन होने और ओटीपी प्राप्त न होने के कारण हजारों किसान परेशान हैं, जबकि पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च निर्धारित है। पिछले एक सप्ताह से गेहूं पंजीयन पोर्टल

पर सर्वर की समस्या बनी हुई है। किसानों के मोबाइल पर ओटीपी नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे पंजीयन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही। नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर ने भी इस समस्या की पुष्टि की है। इस तकनीकी खराबी के कारण रायसेन तहसील में ही लगभग 1500 किसानों के पंजीयन रुके हुए हैं। किसान घंटों तक पंजीयन केंद्रों पर इंतजार करने के बाद बिना पंजीयन कराए ही वापस लौटने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें इस वर्ष गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। पहले गिरदावरी ऐप पर फसल अपलोड नहीं हो पाई थी और अब ओटीपी की समस्या है। उन्होंने पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है। पंजीयन केंद्रों पर कंप्यूटर ऑपरेटर सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक बैठ रहे हैं, लेकिन ओटीपी न मिलने से किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है। अंतिम तिथि नजदीक होने के कारण किसानों में चिंता बढ़ गई है।

विभागीय अधिकारियों द्वारा नही किया जाता है कभी गौशाला का निरीक्षण

ग्राम पंचायत बरेती कला की गौशाला में पानी एवं भूसे के अभाव मर रही गाये, सरपंच-सचिव बेखबर

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा। रीवा जिले के सभी गौशालाओं की हालत किसी से छुपी नही है जहा पर शासन के आंखों में धूल झोंककर भूसा के नाम पर लाखों की राशि का आहरण कर लिया जाता है लेकिन धरातल पर कुछ भी नही मिलता है हर गौशाला से आये दिन गायों के मरने की खबर भी आती रहती है लेकिन भ्रस्ट विभागीय तंत्र द्वारा कोई कार्यवाही नही की जाती है जिसका फायदा गौशाला संचालक उठाते है और अपनी जेब भरने का काम करते है। इसी तरह का मामला जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बरेती कला के गौशाला का एक वीडियो वायरल हो रहा है जहा पर गौशाला के बाहर कई गाये मरी पड़ी हुई है।

इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है इस गौशाला में न तो भूसा है न ही पानी की व्यवस्था है न ही कोई देखरेख करने वाला है चारे-पानी एवं अव्यवस्था के अभाव में गायों की स्थिति दयनीय है और लगातार गायों की मौत हो रही हैं। यह वीडियो गौशाला की बदहाल स्थिति को दशार्ता है कि किस तरह से जनता के पैसा से लाखों की लागत से बनी गौशाला जर्जर हो गयी है गौशाला सेट की चद्दरें गायब हो चुकी है लेकिन जवा जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव बेखबर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त गौशाला कई वर्ष पहले बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन आज तक गौशाला को किसी को सुपुर्द नही किया गया इसलिए गौशाला की ये दुर्दशा हो गयी है। फिलहाल जब तक किसी समूह या संस्था को सुपुर्द नही किया जाता है तब तक ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी होती है। बताया जा रहा है कि ग्रामीण अपनी खेती बाड़ी बचाने के लिए आवारा पशुओं को गौशाला में बंद कर देते है लेकिन चारा भूसा और पानी नही होने से गाये मर रही है वीडियो में 4 गाये बाहर मरी हुई दिख रही और दो गए गौशाला के अंदर मरने की कगार में है।

सवाल यही की मर रही गायो का जिम्मेदार कौन ?- ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से निवेदन किये है कि बदहाल गौशाला की जांच कर उक्त जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाय ताकि गौशाला में मर रही गायों को बचाया जा सके।

समय-सीमा बैठक में अनुपस्थित रहने पर गृह निर्माण मंडल की सहायक यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। समय-सीमा की बीते सोमवार को आयोजित बैठक में बिना अनुमति एवं पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर आशीष तिवारी ने गृह निर्माण मंडल की सहायक यंत्री ज्योति गर्ग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। प्रत्येक सोमवार को शासन के निदेर्शानुसार समय-सीमा बैठक में महत्वपूर्ण योजनाओं तथा विभागीय कार्यों, सी.एम. हेल्पलाईन एवं टी.एल. अंकित पत्रों पर समीक्षा की जाती है। कलेक्टर श्री तिवारी ने सहायक यंत्री ज्योति गर्ग को जारी कारण बताओ सूचना पत्र में उल्लेखित किया है कि विभागीय कार्यदायित्व के कियान्वयन हेतु समय-सीमा की बैठकों में नियमित उपस्थित होना आपका दायित्व है, परंतु सोमवार 2 मार्च को आयोजित समय-सीमा की बैठक में आप बिना अनुमति एवं सूचना के बैठक में अनुपस्थित पाये गये। आपका यह कृत्य निदेर्शों की अवहेलना तथा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता, एवं शासन के कार्यों के प्रति लापरवाही परिलक्षित करता है, जो लोकसेवक पद के अपेक्षित आचरण के विपरीत होकर म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 का उल्लंघन है। इस हेतु क्यों न आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे। उक्त के संबंध में 7 दिवस में अपना जवाब प्रस्तुत करें, नियत अवधि में संतोषप्रद जवाब प्राप्त न होने की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

9 मार्च को कटनी, ढीमरखेड़ा और रीठी में लगेंगे शिविर

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर संकल्प से समाधान अभियान के तहत सोमवार 9 मार्च को कटनी एम कॉर्पोरेशन, ढीमरखेड़ा, विकासखंड कटनी और रीठी में शिविर का आयोजन किया गया है। इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर पात्रों को शासकीय योजना एवं कार्यक्रमों में लाभान्वित कराया जाएगा। जारी शिविर कार्यक्रम के अनुसार सोमवार 9 मार्च को कटनी एम कापोर्रेशन में वार्ड नं 30 सीएलपी वार्ड, वार्ड नं 31 राम निवास सिंह वार्ड, वार्ड नं 32 कावस जी वार्ड, वार्ड नं 33 फारेस्टर वार्ड, वार्ड नं 34 रामकृष्ण परमहंस वार्ड, वार्ड नं 36 डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड, वार्ड नं 37 विवेकानंद वार्ड के लोगों के लिए जोन क्रमांक 05, खेरमाई सामुदायिक भवन, लखेरा में शिविर का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार विकासखंड ढीमरखेड़ा में ग्राम कचनारी, खम्हरिया, गौरा, नेगई, पाली और सिलौड़ी के लोगों के लिए ग्राम पंचायत सिलौंडी में शिविर का आयोजन किया गया है। इसी दिन विकासखंड कटनी में ग्राम कनहवारा, खमतरा, जोबा, जोबीकलां, धित्वरा, पुछी, पिलौंजी, बिस्तरा, मतवार और पड़रिया के लोगों के लिए कन्हवारा में शिविर का आयोजन किया गया है।

अब 10 तक किसान करा सकेंगे पंजीयन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में गेहूं उपार्जन के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। किसान भाई अब 10 मार्च तक पंजीयन करा सकेंगे। पूर्व में पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च थी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर कटनी जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 55 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। कलेक्टर ने किसान भाइयों से निर्धारित समयावधि में पंजीयन कराने का आग्रह किया है। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रुपए अधिक है।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपए से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान-पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। पूर्व वर्षों की किसी अपात्र संस्था में केन्द्र प्रभारी एवं ऑपरेटर को किसी अन्य संस्था में पंजीयन के लिए नहीं रखा जायेगा।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक का नाम खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों में भी किसान जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सकते हैं। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन हेतु पंजीयन के दौरान ही 1 रुपए का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन जेईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों संग खेली होली

दैनिक रेवांचल टाइम्स मऊगंज। होली पर्व के अवसर पर मऊगंज जिले के बन्ना गांव में होली मिलन का कार्यक्रम हुआ, जिसमें पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना हजारों कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों संग होली मनाई और एक दूसरे को अबीर, गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं और बधाई दी। मऊगंज कांग्रेस नेता पी यश मिश्रा ने बताया कि होली के दिन सुबह से ही लोगों का आना जाना अपने लाडले नेता सुखेन्द्र सिंह के पास लगा रहा, जहां पर सभी ने सौहार्द एवं भाईचारे के साथ फाग गीत गाकर होली खेली। श्री मिश्रा ने बताया कि युवक कांग्रेस की टीम के जिलाध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने दर्जनों वाहनों के काफिले के साथ अपने नेता श्री बन्ना के निजनिवास पहुंचे, जहां सैकड़ों युवाओं ने रंग गुलाल लगाकर अपने नेता संग होली खेली।

पूरी रात जागते रहे वनकर्मी, जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा रही प्राथमिकता

वनाग्नि रोकथाम, जल स्रोत निगरानी और विद्युत लाइनों की सघन जांच

दक्षिण पन्ना वनमण्डल में होली पर लगातार दूसरी रात भी चली विशेष गश्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल में होली पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करते हुए 3 और 4 मार्च की दरम्यानी रात भी सभी वन परिक्षेत्रों में विशेष रात्रि गश्ती अभियान जारी रखा गया। वनकर्मियों, समिति सदस्यों तथा सुरक्षा श्रमिकों की संयुक्त टीमों ने विभिन्न बीटों, प्लांटेशन क्षेत्रों तथा वन सीमाओं में पैदल एवं वाहन से गश्त कर सतत निगरानी की। गश्ती के दौरान जल स्त्रोतों की जांच, वन सीमा से लगे क्षेत्रों में पेट्रोलिंग, प्लांटेशन क्षेत्रों का निरीक्षण तथा संभावित संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के अंतर्गत कई स्थानों पर विद्युत लाइनों का निरीक्षण, बाड़ एवं फेंसिंग की जांच तथा खेतों से सटे वन क्षेत्रों में निगरानी की गई, ताकि किसी भी प्रकार की आग या अवैध गतिविधि की आशंका को समय रहते रोका जा सके। कई गश्ती दलों ने वन-राजस्व सीमा क्षेत्रों तथा जिला सीमा के समीप स्थित बीटों में रात्रिकालीन सर्च अभियान चलाया। इसके साथ ही वनकर्मियों द्वारा पैदल गश्त कर संभावित फंदों या अन्य अवैध गतिविधियों की भी जांच की गई। गश्ती के दौरान स्थानीय ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें जंगलों में आग न लगाने तथा वन संरक्षण में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कई स्थानों पर ग्रामवासियों से अपील की गई कि वे होली के उत्सव के दौरान जंगलों में किसी भी प्रकार की आग लगाने से बचें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। वन विभाग के अनुसार होली के दौरान विशेष गश्त और सतर्क निगरानी से वन क्षेत्रों में संभावित वनाग्नि और वन्यजीव शिकार जैसी घटनाओं को रोकने में मदद मिलती है। विभाग ने कहा कि वनकर्मियों की सतर्कता और स्थानीय समुदाय के सहयोग से ही वन संपदा और वन्यजीवों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

वन संरक्षण की बारीकियों से हुए रूबरू

जनअभियान परिषद के विद्यार्थियों का दक्षिण वन मंडल में शैक्षणिक भ्रमण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीवों के महत्व को समझने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विद्यार्थियों ने शनिवार को दक्षिण वन मंडल कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने वन संरक्षण, वन्य जीव प्रबंधन और जैव विविधता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक अनीता जाटव के निर्देशन में किया गया। पीएमश्री छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सुबह एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू के छात्रों की कक्षाएं संचालित हुई। इसके उपरांत सभी छात्र-छात्राएं एवं परामर्शदाता दक्षिण वन मंडल पन्ना कार्यालय पहुंचे, जहां तीन ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में डीएफओ अनुपम शर्मा ने वन संपदा, वन संरक्षण की चुनौतियां और वन्य जीवों की सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वन केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन, जल स्रोतों और जलवायु संतुलन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। द्वितीय सत्र में जिला समन्वयक अनीता जाटव ने युवाओं की भूमिका और जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि युवा जागरूक होंगे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस

परिवर्तन संभव है। तृतीय एवं अंतिम सत्र में पन्ना टाइगर रिजर्व के उप संचालक वीरेन्द्र कुमार पटेल ने जंगलों की आवश्यकता, इन्हें आग से बचाने के उपाय, टाइगर संरक्षण और वन प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैव विविधता की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन विभाग की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना और अधिक मजबूत हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पन्ना ब्लॉक के परामर्शदाता एवं छात्र उपस्थित रहे।

परंपरागत खेल-कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता 10 को

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। नवाचार एवं पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने हेतु माधव नगर खेल परिसर के इनडोर हाल में परंपरागत खेल-कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार 10 मार्च को 11 बजे से किया गया है। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जिला स्तरीय खेल कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु श्री पंकज कुमार नामदेव जिला कार्यक्रम प्रबंधक (फत्र्ख्रअ) को नोडल अधिकारी एवं श्रीमति सुनीता यादव जिला खेल अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा है। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में तमाम आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने हेतु अन्य बारह अधिकारी-कर्मचारियों को पृथक पृथक दायित्व सौंपे है।

जिले में जनगणना 2027 की तैयारियां शुरू

कटनी । प्रदेश में जनगणना 2027 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देश के अनुसार राज्य में प्रथम चरण- मकान सूचीकरण का कार्य 1 मई से 30 मई की अवधि मकान सूचीकरण का कार्य संपादित किया जाएगा। इस संबंध में विभिन्न गतिविधियों व क्रियाकलापों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु आधिकारिक कैलेंडर जारी किया गया है। साथ ही अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। जारी कैलेंडर के अनुसार जिलाअधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, जनगणना लिपिक और तकनीकी सहायकों को 13 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आवश्यक सुधार हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

एसडीएम एवं जनपद पंचायत सीईओ ढीमरखेड़ा ने जल जीवन मिशन परियोजनाओं का किया संयुक्त निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शुक्रवार को एसडीएम निधि गोहल एवं जनपद पंचायत ढीमरखेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी युजवेंद्र कोरी द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम पंचायत बांध और सागौना में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं एवं कार्यों का औचक निरीक्षण किया। अवगत होवे कि कलेक्टर आशीष तिवारी एवं जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने ग्रीष्म काल में नागरिकों को पर्याप्त शुद्ध पेयजल की उपलब्धता कराए जाने हेतु जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं परियोजनाओं की सतत निगरानी और निरीक्षण किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। निरीक्षण के दौरान पीएचई विभाग द्वारा हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों में कमियां पाई गयी। ग्राम पंचायत बांध का सम्पवेल एवं पानी की टंकी में लीकेज पाये गये। टंकी की सुरक्षा हेतु बाउंड्री नहीं बनाई गयी। कुछ घरों में जल सप्लाई नहीं हो पा रही है। तथा नलों में टोंटी स्टेंडपोस्ट नहीं पाए गये। वहीं ग्राम पंचायत सगौना के ग्राम हरई में भी संपवेल लीकेज पाया गया। नलों में टोंटी स्टेंड पोस्ट नहीं पाये गये । चैम्बर में ढक्कन नहीं लगाए जाना पाया। एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि गोहल एवं जनपद पंचायत के सीईओ श्री कोरी द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को जल जीवन मिशन परियोजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने के पूर्व आवश्यक सुधार किए जाने के निर्देश दिए।

डिहिया खुर्द गांव में हुई मारपीट में जिंदगी और मौत से जूझ रहा युवक, अभी तक नही आया होश

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा । जिले के जवा थानां क्षेत्र अंतर्गत डिहिया खुर्द गांव के पास दिनांक 04/03/26 को रात्रि करीब साढ़े 9 बजे के आसपास पुरानी रंजिश को लेकर खाली औनी निवासी अंकित सिंह चंदेल (कमलेन्द्र प्रताप सिंह) पिता कमलेश्वर सिंह निवासी खाली औनी तहसील जवा थाना जवा को शनि द्विवेदी निवासी बड़गढ़, विक्रम सिंह निवासी डिहिया कला पिता पुष्पेंद्र सिंह, दुर्गेश सिंह निवासी डिहिया कला और आशीष सिंह चंदेल निवासी खाली औनी ने मिलकर मारपीट की, मारपीट से युवक बुरी तरह से घायल हो गया। जिसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा भेजा गया लेकिन हालात नाजुक होने पर वहा के डाक्टरो ने स्वरूपरानी अस्पताल प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया है जहा पर युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है परिजनों के मुताबिक अभी तक अंकित सिंह को होश नही आया। जिसकी शिकायत पर (धारा 173 बी एन एस एस के तहत) जवा थाने में अपराध क्रमांक-0039/26 भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस) 2023 की धारा 296 (b), 115(2), 351(3), 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। बताया जाता है कि बीते दिनों ये सभी लोग बैकुंठपुर किसी बारात में गए हुए थे वही पर किसी बात को लेकर बात बहस हुई थी नतीजन 4 मार्च को ये बात बहस मारपीट में तब्दील हो गया। वही परिजनों का कहना है कि 3 दिन बीतने को है लेकिन अभी तक अपराधी पुलिस के चंगुल से बाहर है जिसे गिरफ्तार कर कार्यवाही होनी चाहिए।

कांग्रेस 8 मार्च(रंग पंचमी) को हर्षोल्लास के साथ मनाएगी होली मिलन समारोह

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय ग्राउंड पन्ना में रंगों और भाईचारे के पर्व होली के उपलक्ष्य में आयोजित होली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी(ग्राउंड) पन्ना में आयोजित किया जायेगा जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस जन, मोर्चा, विभाग प्रकोष्ठों के अध्यक्ष पदाधिकारी गण समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण/नगर अध्यक्ष गण से आग्रह है की आपसी सौहार्द, प्रेम एवं एकता का संदेश देने वाले होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि समाज में भाईचारा, सद्भाव और समरसता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूत करते हैं। आप सभी से विनम्र आग्रह है कि आयोजन में अपनी अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान करने का कष्ट करे।

कटनी में भूकंप और आपदा प्रबंधन पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण 9 मार्च से

कटनी । आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल द्वारा प्रदेश में संचालित भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रम परियोजना के अंतर्गत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में जिला स्तर पर 9 मार्च से 13 मार्च तक ह्यभूकंप आपदा जोखिम प्रबंधनह्व एवं ह्यध्वस्त संरचना, खोज एवं बचावह्व विषय पर दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटेल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers
Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

जल संचय जन भागीदारी 2.0 कार्यक्रम अंतर्गत कार्यशाला संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज जल संचय जन भागीदारी 2.0 कार्यक्रम अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों के संबंध में भंवरताल गार्डन स्थित संस्कृति भवन में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जल संचय के विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी देकर कहा गया कि पुराने जल संरचनाओं का चिन्हांकन कर उनका पुनर्जीवन करें। साथ ही नए जल संरचनाओं को बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। कार्यशाला में कहा गया कि जल ही जीवन है, अतः जिले की समस्त पंचायत एवं ग्रामों, वार्डों में जल स्त्रोंतों के पुनर्जीवन कर जल संरक्षण के सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करें। चेकडेम बनाने, स्टॉप डेम में गेट लगाना, तालाबों व कुओं की गाद निकालने, तालाबों की पिचिंग, बोरवेल व कुआं रीचार्ज, सूखे बोरवेल को फंक्शनल करनें, रूफ टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रकचर, शॉकपिट बनाने, कंट्रूरट्रेंच, नाला बंधान, परकोलेशन पोंड बनाने आदि के साथ जल संचय करने के अन्य नवाचारों के संबंध में भी जानकारी दी गई। कलेक्टर सिंह ने कहा कि जल संचय जन भागीदारी 2.0 और जल गंगा संवर्धन अभियान का एक ही उद्देश्य है कि जल संचय प्रभावी रूप से हो। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोंतों के संरक्षण व पुनर्जीवन के साथ जितने भी निर्माण कार्य हो रहे हैं उनमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के उपाय हों। सभी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में भी वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों को पोर्टल में एंट्री करायें। साथ ही तालाबों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करायें। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए शहरी क्षेत्र में नगर निगम कमिश्नर तथा ग्रामीण क्षेत्र में सीईओ जिला पंचायत इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करें। विभाग के निर्देशानुसार पीएचई द्वारा भी हेंडपम्पों में रिचार्ज पिट बनाये जाने व वाटर हार्वेस्टिंग कराये जाने के लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी, ताकि नल जल योजनाओं का सफल संचालन हो सके। उन्होंने समूह जल प्रदाय योजनाओं के संचालन के संबंध में नियमित मॉनिटरिंग के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। बैठक में नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

ढाबे पर अवैध डीजल का भंडारण, पुलिस ने छापा मारकर किया जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ज्वलनशील पदार्थों के अवैध भंडारण और बिक्री के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिवनीझजबलपुर मार्ग पर एक ढाबे से चोरी का डीजल बरामद किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पेट्रोलियम टैंकरों से रास्ते में डीजल चोरी कर उसे ढाबों और स्थानीय खरीदारों को बेचा जा रहा था। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिवनीझजबलपुर राजमार्ग पर ग्राम बिजनाझमुटिया के पास स्थित एक ढाबे में अवैध रूप से डीजल का भंडारण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा, जहां से बड़ी मात्रा में संदिग्ध डीजल जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि शाहपुरा क्षेत्र से ईंधन लेकर जाने वाले कई टैंकर चालक रास्ते में पेट्रोल और डीजल की चोरी कर लेते हैं। चालक और खलासी टैंकर से ईंधन निकालकर उसे राजमार्ग किनारे स्थित गांवों और ढाबों में बेच देते हैं।

इसके बाद टैंकर में कमी को छिपाने के लिए उसमें मिट्टी का तेल और डिटर्जेंट पाउडर जैसी चीजें मिलाकर मात्रा पूरी करने की कोशिश की जाती है। सूत्रों के अनुसार डिटर्जेंट मिलाने से टैंकर में झाग बन जाता है, जिससे माप के दौरान टैंकर में ईंधन पूरा दिखाई देता है। इस तरह पेट्रोल पंप तक पहुंचने से पहले ही काफी मात्रा में ईंधन चोरी हो जाता है और उसकी भरपाई मिलावटी पदार्थों से कर दी जाती है। पुलिस का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास कई स्थानों पर इस तरह का अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। बस मालिक, परिवहन संचालक और कुछ बड़े किसान भी सस्ते डीजल के लालच में ऐसे लोगों से संपर्क रखते हैं। टैंकर जैसे ही डिपो से निकलते हैं, संबंधित लोगों को मोबाइल के जरिए सूचना दे दी जाती है और रास्ते में ईंधन उतार लिया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का मिलावटी डीजल वाहनों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इससे पंप, नोजल और फिल्टर जल्दी खराब हो जाते हैं, जबकि इंजन की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। जिस वाहन को सामान्य रूप से एक लाख किलोमीटर तक चलना चाहिए, वह मिलावटी ईंधन के कारण 25 से 40 हजार किलोमीटर में ही खराब होने लगता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। टैंकर चालकों, ढाबा संचालकों और ईंधन खरीदने वाले अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। आने वाले दिनों में इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों पर भी सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

शहर में सख्ती बढ़ी तो ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचा जुए का कारोबार, पहाड़ी और जंगलों में लग रही बड़ी फड़

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में जुआ और सट्टे के खिलाफ पुलिस की सख्ती बढ़ने के बाद अब जुआ संचालकों ने अपना ठिकाना बदल लिया है। शहर में लगातार कार्रवाई होने के कारण फड़बाजों ने जुए का पूरा कारोबार समेटकर ग्रामीण क्षेत्रों का रुख कर लिया है। जानकारी के अनुसार पाटन थाना क्षेत्र की पहाड़ियों और आसपास के जंगलों में इन दिनों बड़े स्तर पर जुए की फड़ संचालित हो रही है, जहां लाखों रुपये का दांव लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इन स्थानों पर जबलपुर के साथ ही नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, कटनी और दमोह जिलों से भी बड़े जुआरी पहुंच रहे हैं। फड़ संचालक उन्हें पूरी सुरक्षा का भरोसा देकर जुआ खिलवा रहे हैं। पहाड़ियों और जंगलों के बीच अस्थायी टेंट लगाकर सप्ताह के अधिकांश दिनों में जुए की महफिल सजाई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में चल रहे इस जुए के अड्डे की चर्चा अब आम लोगों के बीच भी होने लगी है। लोगों के अनुसार जुआ संचालित करने वाले लोग बेहद प्रभावशाली बताए जाते हैं, इसलिए उनके खिलाफ खुलकर कोई बोलने से बचता है। ऐसे में यह भी सवाल उठ रहा है कि खुलेआम चल रहे इस जुए की जानकारी पुलिस तक क्यों नहीं पहुंच पा रही है। दरअसल पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर में जुआ और सट्टा रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कारण पहले की तरह मकानों, होटलों या शहरी इलाकों में खुलेआम जुआ खिलाने से संचालक बच रहे हैं। पुलिस ने मुखबिरों को भी सक्रिय कर रखा है और शहर में जुआ संचालित करने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। शहर में जुआ बंद होने से बड़े फड़ संचालकों की साख भी दांव पर लग गई है। इसलिए अब वे शराब माफिया की तरह संगठित तरीके से काम कर रहे हैं और गांव बदल-बदलकर जुए की फड़ लगा रहे हैं। कई बार सड़क से लगे किसी गांव या जंगल क्षेत्र में अचानक जुए की महफिल सजा दी जाती है, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।

ऑनलाइन हो रहा बड़ा लेन-देन

जुए की लत अब युवाओं को भी तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रही है। पुलिस की सख्ती के बाद कई जुआरी बिना नकद के ही जुआ खेल रहे हैं। भुगतान के लिए ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। कई जगहों पर बड़े लेन-देन भी ऑनलाइन ही किए जा रहे हैं, जिससे पुलिस के लिए मौके पर सबूत जुटाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर ऐसा होता है कि जब किसी स्थान पर कई लोगों के इकट्ठा होने की सूचना पुलिस को मिलती है और पुलिस मौके पर पहुंचती है, तब तक जुआरी वहां से निकल चुके होते हैं या फिर किसी तरह का ठोस सबूत नहीं मिल पाता।

पहले भी हो चुकी है बड़ी कार्रवाई

जानकारी के अनुसार करीब तीन साल पहले इसी क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुए की फड़ पर छापा मारा था। उस दौरान कुछ जुआरियों को पकड़ लिया गया था, जबकि कई लोग मौके से फरार हो गए थे। उस कार्रवाई के बाद राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया था और कुछ नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में जुए की फड़ लगने की खबरों ने पुलिस के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई कर ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रहे इस अवैध कारोबार पर जल्द अंकुश लगाएगी।

होली के बाद शुरू हुआ वापसी का दौर, ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची, बसों में बढ़ा किराया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रंगों का पर्व होली समाप्त होने के बाद अब बाहर काम करने और पढ़ाई करने वाले लोगों की वापसी का दौर शुरू हो गया है। दूर-दराज शहरों से होली मनाने के लिए अपने घर आए लोग अब वापस लौटने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके चलते रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। रेलवे सूत्रों के अनुसार वापसी करने वालों में सबसे अधिक संख्या मुंबई, पुणे, गुजरात और दक्षिण भारत की ओर जाने वाले यात्रियों की है। जबलपुर से इन शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है और अधिकांश ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची चल रही है। जबलपुर से गुजरात की ओर जाने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस, मुंबई के लिए चलने वाली गरीब रथ और पुणे जाने वाली पुणे एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों में टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। कई ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची दो सौ से ढाई सौ के पार पहुंच चुकी है। यात्रियों की यह स्थिति केवल जबलपुर से शुरू होने वाली ट्रेनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से गुजरने वाली महानगरी, संगमित्रा एक्सप्रेस और जनता एक्सप्रेस सहित लगभग सभी प्रमुख ट्रेनों में यही हाल है। इन ट्रेनों में यात्रियों को पक्की सीट मिलना बेहद कठिन हो गया है। रेलवे के आरक्षण केंद्रों के अनुसार 7 मार्च से 9 मार्च तक अधिकांश ट्रेनों में आरक्षण मिलना लगभग असंभव हो गया है। यही स्थिति दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों में भी देखने को मिल रही है। श्रीधाम एक्सप्रेस, गोंडवाना एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस और संपर्क क्रांति जैसी ट्रेनों में भी लंबी प्रतीक्षा सूची चल रही है।

कलेक्टर सिंह ने की नजूल पट्टा नवीनीकरण और राजस्व वसूली को लेकर बैठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आज नजूल पट्टा नवीनीकरण के मामले में सभी एसडीएम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने नजूल पट्टों के नवीनीकरण की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से बड़े बकायादारों पर फोकस करते हुए कहा कि शहर में स्थित सभी दुकानें, होटल, बारातघर, विद्यालय और अन्य बड़े प्रतिष्ठानों से तत्काल राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कोई भी बकायादार राजस्व जमा नहीं करता, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने बैठक में जोर देकर कहा, मार्च माह में सभी लंबित राजस्व वसूली को अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।

जिले में क्लस्टर डेवलपमेंट की संभावनाओं को लेकर बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्लस्टर विकास कार्यक्रम योजना अंतर्गत बैठक की गई। जिसमें एमएसई-सीडीपी योजना के तहत जिले में क्लस्टर डेवलपमेंट की संभावनाओं को लेकर आवश्यक चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से फूड प्रोसेसिंग, ओडीओपी और डिफेंस एंसिलरी सेक्टर में क्लस्टर डेवलपमेंट की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में डॉ. आर. पी. सिंह, डिप्टी इकोनॉमिक एडवाइजर, एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार और राजेंद्र तोंडपुरकर, वाइस प्रेसिडेंट, लक्ष्मी मित्तल ग्रुप ने योजना के संबंध में जानकारी प्रदान की। बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक अनिल कुमार राठौर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विनीत कुमार रजक, कृषि उपसंचालक सुशील निगम और अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

जिले में बढ़ती चाकूबाजी से दहशत, दो माह में 29 वारदातें, चार की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पुलिस अधिकारियों के हरसंभव प्रयासों के बावजूद शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जिले में लगभग हर दिन किसी न किसी इलाके में चाकूबाजी की वारदात सामने आ रही है, जिससे लोग घायल हो रहे हैं और आम नागरिकों में भय का माहौल बन गया है। आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2026 से अब तक करीब 65 दिनों में शहर और देहात क्षेत्रों में चाकूबाजी की 29 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं में चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार चाकूबाजी के अधिकांश मामलों में आदतन बदमाश, नशेड़ी और सट्टा कारोबार से जुड़े बालिग तथा नाबालिग युवक शामिल पाए गए हैं। कई स्थानों पर देर रात तक युवकों का जमावड़ा लगा रहता है, जहां शराब और गांजा का सेवन किया जाता है। इसके बाद आपसी विवाद, लूटपाट और मारपीट जैसी घटनाएं सामने आती हैं, जो कई बार चाकूबाजी तक पहुंच जाती हैं। हाल ही में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले में बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए थाना प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। पुलिस का कहना है कि चाकूबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अब सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसके तहत पिछले तीन वर्षों में चाकूबाजी की घटनाओं में शामिल रहे सभी आरोपियों की सूची तैयार की जा रही है। इस सूची में वे आरोपी भी शामिल होंगे जो फिलहाल जेल में हैं, जमानत पर बाहर हैं या अब तक गिरफ्तार नहीं हो पाए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार चिन्हित चाकूबाजों से जल्द ही बांड भरवाए जाएंगे, ताकि भविष्य में वे इस तरह की घटनाओं को अंजाम न दें। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से चाकूबाजी की बढ़ती घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा और शहर में कानून व्यवस्था मजबूत होगी।

होली के बाद दोस्तों के साथ नहाने गया युवक डूबा, 48 घंटे बाद पानी में मिला शव

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। होली का त्योहार मनाने के बाद दोस्तों के साथ नहाने गए एक युवक की बर्गी क्षेत्र में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद दो दिनों तक लगातार चले तलाश अभियान के बाद शुक्रवार सुबह युवक का शव पानी में उतराता हुआ मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बर्गी नगर स्थित जैन मंदिर के पास रहने वाला शैलेष नेमा बुधवार को दोपहर के समय अपने घर के आसपास दोस्तों के साथ होली खेल रहा था। होली खेलने के बाद वह अपने मित्र रोहन और सागर के साथ बर्गी क्षेत्र के जीरो प्वाइंट से करीब आधा किलोमीटर आगे नहाने के लिए चला गया। बताया जा रहा है कि नहाते समय अचानक वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूबने लगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक ने डूबते समय मदद के लिए आवाज भी लगाई थी। उसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद कुछ स्थानीय लोग और गोताखोर तुरंत उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़े, लेकिन तब तक वह गहरे पानी में समा चुका था। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर युवक की तलाश शुरू कर दी। साथ ही बचाव दल की मदद से भी लगातार पानी में खोजबीन की जाती रही। करीब 48 घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद शुक्रवार सुबह लगभग 7 बजे युवक का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला और पुलिस को सौंप दिया। परिजनों और परिचितों का कहना है कि शैलेष को तैरना आता था और वह अच्छा तैराक भी था। इसके बावजूद गहरे पानी, पत्थरों और तेज बहाव के कारण वह संतुलन नहीं बना पाया और डूब गया। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि संभव है कि पानी में गिरते समय उसे किसी पत्थर से चोट लग गई हो, जिसके कारण वह खुद को संभाल नहीं पाया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। युवक की अचानक मौत से परिवार सदमे में है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477
Online Form: MP POLICE, MPPSC, UPSC, SSC, RAILWAY, BANK, COLLEGE, RTE SCHOOL, INDIAN ARMY, INDIAN NAVY, NDA, NEET
Document: जीएसटी, पासपोर्ट, ITR Returns, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, रोजगार पंजियन, उद्योग आधार, स्कॉलरशिप फार्म
E-CARD: WEDDING INVITATION, VIDEO, BANNER DESIGN, VISITING CARD, BIRTH DAY INVITATION, INAUGRATION, OTHER E-CARD
Quick Job Apply
सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।
जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म
व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592